राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 195
बौनावामन
सुपर कमांडो ध्रुव

मुसीबत जितनी छोटी लगती है, कभी-कभी उतनी ही घातक सिद्ध होती है! और इस बात का जीता-जागता उदाहरण है...

बौनावामन

संजय गुप्ता की पेशकश

कथा: जॉली सिन्हा. चित्र: अनुपम सिन्हा. इंकिंग: विट्ठल कांबले सुलेख व रंग: सुनील पाण्डेय. सम्पादक: मनीष गुप्ता.

©RAJA POCKET BOOKS

visit us at: www.rajcomics.com

नारका जेल- राजनगर से कुछ दूर पर, समुद्र में स्थित एक द्वीप पर बनी दुनिया की सबसे आधुनिक जेलों में से एक-
यहां पर लगी अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा प्रणाली के कारण यहां पर ज्यादा गार्डों की आवश्यकता नहीं पड़ती; क्योंकि अनधिकृत लोगों का यहां पर घुसना भी उतना ही मुश्किल है जितना कि बाहर निकलना-
इसीलिए बौना वामन, ध्वनिराज और चुंबा जैसे शातिर अपराधियों को यहीं पर रखा जाता है-
लेकिन जरा ठहरिए! यह कौन शख्स है जो जेल की दीवारों पर छिपकली की तरह चढ़ता चला जा रहा है?
और वह भी 'सर्विलेंस क्लोज सर्किट कैमरों के ठीक सामने-
और कैमरों में उसकी तस्वीर तक नहीं आ रही है-
आ ऽऽऽऽऽऽऽ
कुछ ही देर बाद वह शख्स उस मंज़िल के गलियारे में टहल रहा था, जिस पर बंद था इस दुनिया के सबसे शातिर विलेनों में से एक-
महाशैतान बौना वामन-
लेकिन पहले; इसको तो मैं अभी बंद कर देता हूं!
नारका जेल की इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा प्रणाली को -

-ध्वस्त करता हुआ वह शख्स ऐसे आगे बढ़ता गया, जैसे वह किसी बच्चे की गुल्लक तोड़ रहा हो-
कितने भी कोड लगा लो! टॉर्निका हर कोड को तोड़ देगा! हर रुकावट को हटा देगा!
रुकावटें, ताश के घर की तरह गिरती चली गईं-
कौन हो तुम? और बिना अलॉर्म बजे यहां तक कैसे आ गए?
लेकिन नरका जेल का प्रशासन सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों पर ही निर्भर नहीं था-
जवाब, काफी 'शॉकिंग' था-
आहSS
ईईSS

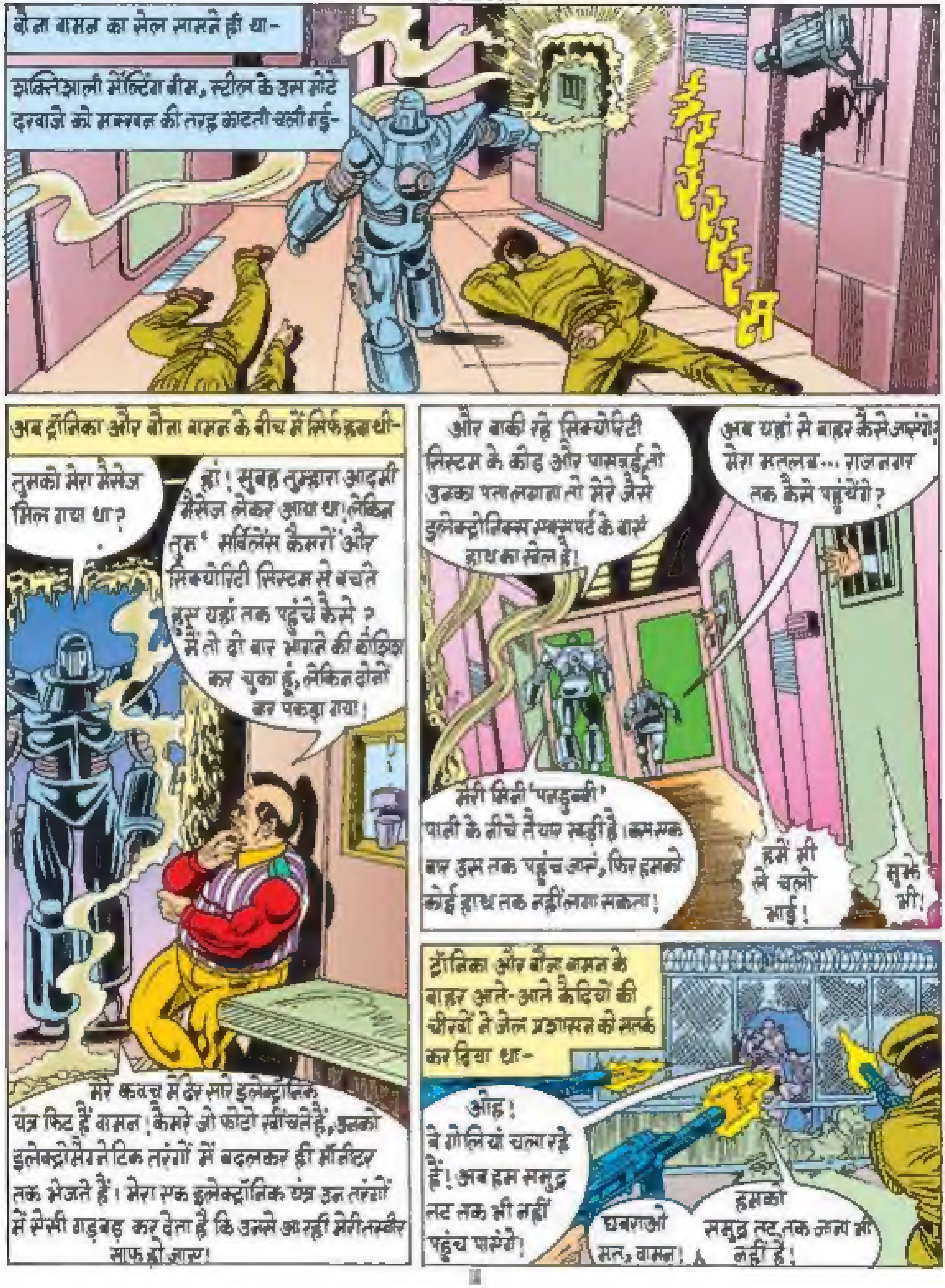
बौना वामन का सेल सामने ही था-
शक्तिशाली मैल्टिंग बीम, स्टील के उस मोटे दरवाजे को मक्खन की तरह काटती चली गई-
ररररररररम
अब ट्रॉनिका और बौना वामन के बीच में सिर्फ हवा थी-
तुमको मेरा मैसेज मिल गया था?
हां! सुबह तुम्हारा आदमी मैसेज लेकर आया था, लेकिन तुम 'सर्विलेंस कैमरों' और सिक्योरिटी सिस्टम से बचते हुए यहां तक पहुंचे कैसे? मैं तो दो बार भागने की कोशिश कर चुका हूं, लेकिन दोनों बार पकड़ा गया!
मेरे कवच में ढेर सारे इलेक्ट्रॉनिक यंत्र फिट हैं वामन! कैमरे जो फोटो खींचते हैं, उनको इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगों में बदलकर ही मॉनीटर तक भेजते हैं। मेरा एक इलेक्ट्रॉनिक यंत्र उन तरंगों में ऐसी गड़बड़ कर देता है कि उनमें आ रही मेरी तस्वीर साफ हो जाए!
और बाकी रहे सिक्योरिटी सिस्टम के कोड और पासवर्ड, तो उनका पता लगाना तो मेरे जैसे इलेक्ट्रोनिक्स एक्सपर्ट के बाएं हाथ का खेल है!
अब यहां से बाहर कैसे जाएंगे? मेरा मतलब... राजनगर तक कैसे पहुंचेंगे?
मेरी मिनी 'पनडुब्बी' पानी के नीचे तैयार खड़ी है। बस एक बार उस तक पहुंच जाएं, फिर हमको कोई हाथ तक नहीं लगा सकता!
हमें भी ले चलो भाई!
मुझे भी!
ट्रॉनिका और बौना वामन के बाहर आते-आते कैदियों की चीखों ने जेल प्रशासन को सतर्क कर दिया था-
ओह! वे गोलियां चला रहे हैं! अब हम समुद्र तट तक भी नहीं पहुंच पाएंगे!
घबराओ मत, वामन!
हमको समुद्र तट तक जाना भी नहीं है!

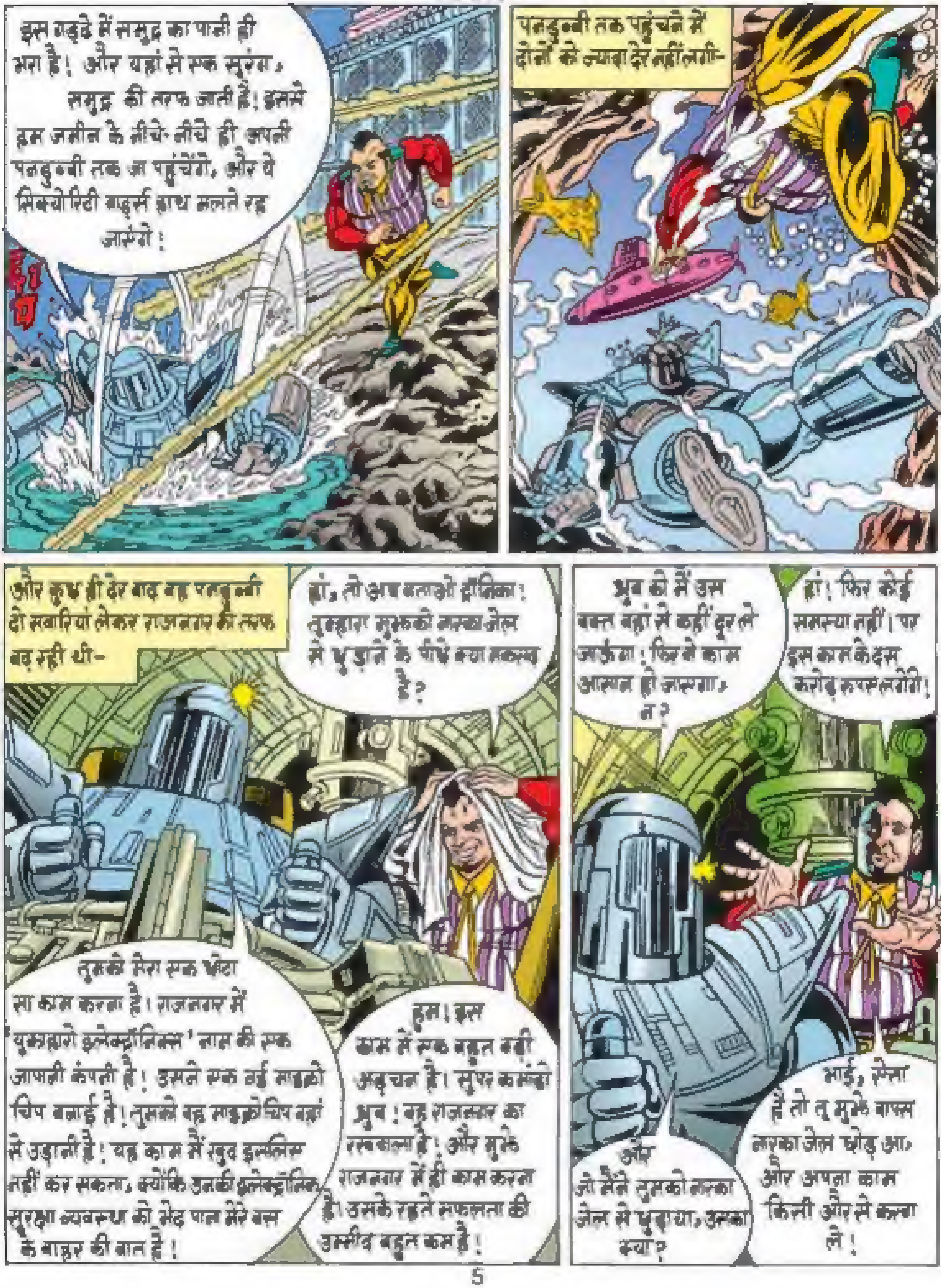
इस गड्ढे में समुद्र का पानी ही भरा है! और यहां से एक सुरंग, समुद्र की तरफ जाती है! इससे हम जमीन के नीचे नीचे ही अपनी पनडुब्बी तक आ पहुंचेंगे, और ये सिक्योरिटी गार्ड्स हाथ मलते रह जाएंगे!
पनडुब्बी तक पहुंचने में दोनों को ज्यादा देर नहीं लगी-
और कुछ ही देर बाद वह पनडुब्बी दो सवारियां लेकर राजनगर की तरफ बढ़ रही थी-
हां, तो अब बताओ टेक्निका! तुम्हारा मुझको मलका जेल से छुड़ाने के पीछे क्या मकसद है?
तुमको मेरा एक छोटा सा काम करना है। राजनगर में 'युकाहारो इलेक्ट्रॉनिक्स' नाम की एक जापानी कंपनी है! उसने एक नई माइक्रो चिप बनाई है! तुमको वह माइक्रोचिप वहां से उड़ानी है! यह काम मैं खुद इसलिए नहीं कर सकता, क्योंकि उनकी इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा व्यवस्था को भेद पाना मेरे बस के बाहर की बात है!
हूम! इस काम में एक बहुत बड़ी अड़चन है। सुपर कमांडो ध्रुव! वह राजनगर का रक्षक है! और मुझे राजनगर में ही काम करना है। उसके रहते सफलता की उम्मीद बहुत कम है!
ध्रुव को मैं उस वक्त वहां से कहीं दूर ले जाऊंगा! फिर तो काम आसान हो जाएगा, न?
हां! फिर कोई समस्या नहीं। पर इस काम के दस करोड़ रुपए लगेंगे!
भाई, ऐसा है तो तू मुझे वापस मलका जेल छोड़ आ, और अपना काम किसी और से करवा ले!
और जो मैंने तुमको मलका जेल से छुड़ाया, उसका क्या?

बौना वामन का एक सीधा सा उसूल है! काम के बदले पैसा। और रही तेरे अहसान की बात, तो जब कभी तू जेल में बन्द होगा, तब मैं तुझे छुड़ा लाऊंगा! वैसे भी तूने मुझे अपने मतलब के लिए छुड़ाया है! अब बोल ... क्या बोलता है... ड्रॉलिका?
ठीक है! मेरा काम तो तुम ही करोगे! मैंने वैसे भी कई बड़े अपराधियों के बारे में सोचा, लेकिन मुझे लगता है कि सिर्फ तुम ही मेरा काम कर सकते हो! काम कब करना है, यह मैं तुमको अभी बताऊंगा, और फिर 'चिप' लेकर कहां पहुंचना है, यह काम होने के बाद बताऊंगा!
ओ.के.! मुझे मेरे राजनगर वाले ठिकाने का भी पता है, और मेरा मोबाइल नंबर भी तेरे पास है! अब निकाल ...
फिफ्टी परसेंट एडवांस!
पांच करोड़ के नोट!
क्या?
भारत ने जबसे 'मुक्त व्यापार' की नीति अपनाई है, तबसे भारत में कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने अपने पैर जमा लिए हैं। और इनमें से ही एक है मशहूर जापानी इलेक्ट्रॉनिक कंपनी 'युकाहारो इलेक्ट्रॉनिक्स'-
वेलकम मिस्टर कमिश्नर और सुपर कमांडो ध्रुव! व्हाट ए सरप्राइज! आज आप हमारे ऑफिस में कैसे पधार गए?
YUKAHARO
इतने अंजान मत बनिए मिस्टर हाराकि! आप इस कंपनी के दो पार्टनरों में से एक हैं! इसलिए इस कंपनी से संबंधित हर खबर आपके पास तो तुरन्त पहुंच जाती होगी!
तुम किस खबर की बात कर रहे हो ध्रुव?
नारका जेल से एक खतरनाक कैदी बौना वामन के भागने की खबर की! उस जेल का इलेक्ट्रॉनिक सिक्योरिटी सिस्टम युकाहारो इलेक्ट्रॉनिक्स ने ही डिजाइन किया था!
आई सी! हम इस बात की छान-बीन कर रहे हैं कि हमारी सिक्योरिटी को कैसे तोड़ा गया!

क्या आपको किसी पर शक है ?
मेरे ख्याल से ये काम जेल के किसी अधिकारी का है, जो जेल के सिक्योरिटी सिस्टम के बारे में जानता था।
हमारी रिपोर्ट के अनुसार बौना वामन को जेल से छुड़ाने वाला व्यक्ति, स्टील के जिरह बख्तर से लैस था, जिसमें कई तरह के इलेक्ट्रॉनिक यंत्र लगे हुए थे।
ऐसी पोशाक जेल के किसी अधिकारी के हाथ लगनी तो मुश्किल है। हां, आपके यहां ऐसी पोशाक जरूर बनाई जा सकती है।
मिस्टर कमिश्नर! हमारी कंपनी बेईमान लोगों को नौकरी पर नहीं रखती। और ये बात तो आप भी जानते होंगे। ऑफ्टर ऑल... आपकी बेटी श्वेता भी तो हमारी ही कंपनी में अपनी समर ट्रेनिंग कर रही है!
बट, आई मस्ट से दिस। आपकी बेटी सचमुच जीनियस है। उसने एक नई माइक्रो चिप बनाने में हमारे वैज्ञानिकों के ग्रुप की बहुत मदद की है!
मैं यहां पर आपके किसी कर्मचारी की तारीफ सुनने नहीं आया हूं मिस्टर हाकी! चूंकि आप एक विदेशी नागरिक हैं, इसीलिए मैंने बेहतर यही समझा कि आपको पुलिस हैडक्वार्टर बुलाने के बजाय, आपसे यहीं पर आकर मिला जाए।
वैसे अगर आपको किसी पर शक हो तो हमको तुरंत सूचित करिएगा!
श्योर मिस्टर कमिश्नर! जरूर, जरूर!
सायोनारा!

जापानी कंपनियों में एक खासियत है। किसी भी प्रोजेक्ट को समय पर खत्म करने की धुन! चाहे इसके लिए रात-दिन काम करना पड़े –
रात तेजी से घिरती आ रही थी। लेकिन युकाहाने इलेक्ट्रॉनिक्स में काम तेजी से चल रहा था–
आज वैज्ञानिकों की टीम को एक अनोखी माइक्रो चिप अपने मैनेजिंग डायरेक्टर हराकी को सौंपनी जो थी–
हमारी नई क्रांतिकारी माइक्रोचिप इस रोबोटिक खिलौने में फिट है श्वेता! और कंट्रोल तुम्हारे कानों में फिट है, जो कानों के जरिए तुम्हारे दिमाग से जुड़ा हुआ है! अब तुम जो सोचोगी, ये खिलौना वैसा ही करेगा!
वाऊ! यह तो सचमुच वैसा ही कर रहा है, जैसा मैं सोच रही हूं! इस चिप से और क्या-क्या किया जा सकता है डॉक्टर पिल्ले?
इस पर तो अभी और शोध करना होगा श्वेता! इसमें और खासियतें हैं तो जरूर, लेकिन अभी मैं उनके बारे में बता नहीं सकता। ये टॉप सीक्रेट प्रोजेक्ट है। और खासियतें बताना न बताना मिस्टर हराकी और तकाशी पर निर्भर करता है!
अब मैं इस चिप को इस कंपनी के मालिक मिस्टर हराकी और मिस्टर तकाशी के हाथों में सौंपने जा रहा हूं! और मैं चाहता हूं कि तुम भी मेरे साथ चलो! आखिर इस माइक्रो चिप को बनाने में तुमने भी काफी योगदान दिया है!
और फिर थोड़ी देर बाद मैनेजिंग डायरेक्टर हराकी के कक्ष में–
आहा! तो ये है वह चिप, जो खिलौनों की दुनिया में क्रांति मचा देगी! इसकी कीमत पैसों में नहीं आंकी जा सकती! आप नहीं जानते डॉक्टर पिल्ले कि आपने कितना बड़ा काम किया है!
हमारी पूरी टीम ने किया है, मिस्टर तकाशी! और इस लड़की श्वेता का योगदान भी कम नहीं है!

ओ! हमारी 'समर ट्रेनी' श्वेता मेहरा! राजनगर के पुलिस कमिश्नर आई॰ जी॰ राजन मेहरा की बेटी! तुम चाहो तो हम तुमको पचास हज़ार रुपए महीने की जॉब दे सकते हैं, श्वेता!
इस ऑफर के लिए धन्यवाद सर! लेकिन अभी तो मुझको अपनी पढ़ाई कंपलीट करनी है। बाद में सोचूंगी!
ऐनी टाइम! कभी भी! जब भी तुम चाहोगी, हमारे यहां तुम्हारे लिए एक जॉब तैयार रहेगी!
थैंक्यू सर!
श्वेता और डॉक्टर पिल्लै के जाने के बाद-
इस चिप को बहुत संभालकर रखना होगा ठाकी! वर्ना तुम जानते ही हो कि इस चिप से खिलौनों को 'मेंटल कंट्रोल' से चलाने के अलावा, और भी बहुत कुछ किया जा सकता है!
अगर कहीं यह किसी ग़लत हाथ में पड़ गई तो...
कहो तो मैं तुम्हारे कम की सिक्योरिटी बढ़वा दूं!
इसकी ज़रूरत नहीं पड़ेगी, पार्टनर! मैं जान दे दूंगा पर ये चिप किसी ग़लत हाथ में नहीं पड़ने दूंगा! और इसकी सिक्योरिटी का इंतज़ाम मैंने पहले से ही कर रखा है!
देखो!
ठाकी के ताली बजाते ही-
एक प्रभावशाली आकृति ने कमरे में प्रवेश किया-
निंजाजा! तुमने जापान से निंजाजा को बुलवा भेजा है!
अब मैं निश्चिंत हो गया! इसके यहां रहते कोई चिप तो क्या, उसकी फोटो कॉपी तक यहां से नहीं ले जा सकता!

राजनगर में आज की रात बहुत कुछ घटना था, और यह उसकी शुरुआत थी-
बॉल!
बॉल, बैट.
वह आ रहा है. नंबर तो उसी कार का है!
तो फिर देख मेरा कमाल! एक बॉल में क्लीन बोल्ड कर दूंगा!
बॉल हवा में उड़ी, और कार में बैठे डॉक्टर पिल्ले की आंखें फट गईं-
ये... ये क्या है? बॉल! कुछ गड़बड़ है। गड़बड़ है!
अगर ऐन टाइम पर कार ने दिशा न बदल ली होती तो उसके टायर उस लाल ग्रेनेड का शिकार हो गए होते-
तेरी बॉल बाहर हो गई रे! अब तू देख बैट का कमाल!
और हवा में घूमता हुआ वह बूमरैंग बैट, डॉक्टर पिल्ले की कार की विंड स्क्रीन तोड़ता वापस चला आया-
एक हल्के से दबाव से बैट ने बूमरैंग का आकार ले लिया-

लेकिन डॉक्टर पिल्ले ने भी कार न रोकने की कसम खा ली थी–
अरे ! अरे, ये तो निकला जा रहा है। बॉस तो हमें दुनिया की टीम से निकाल देगा।
अगर इसे ज़िन्दा न पकड़ना होता तो मैं अब तक बाउंसर मार चुका होता। अब तो मैच खेलना पड़ेगा।
ले ! एकदम फ्लाइटेड बॉल दे रहा हूं। सीधा छक्का मारना।
घबरा मत। छक्का ही मारूंगा, और बॉल सीधी...
"कार के आगे जाकर गिरेगी"–
इस बार डॉक्टर पिल्ले अपने होशो-हवास कायम नहीं रख पाए–
अब देखता क्या है? निकाल इसको इस खटारे में, और डाल अपनी गाड़ी में! हम मैच जीत गए।
बॉस हमें ट्रॉफी देगा।

इसी वक्त- राजनगर के मुख्य 'ब्लैक हार्बर' बंदरगाह पर-
हैलो, हैलो . क... कमांडो फोर्स के हैडक्वार्टर से बोल रहे हैं? हां जी, हां जी! ध्रुव साहब को एक खबर देनी है! हम ब्लैक हार्बर से बोल रहे हैं! हां जी, ब्लैक हार्बर से . यहां... यहां पर एक लोहे के आदमी ने बहुत उत्पात मचाया हुआ है। सब चीजों को तोड़-फोड़ रहा है! ... आप...
... तेरा काम खत्म हुआ...
... भाग जा यहां से.
कैप्टेन!
मैंने सब सुन लिया है, करीम! ब्लैक हार्बर यहां से ज्यादा दूर नहीं है!
मुझको वहां पहुंचने में पांच मिनट से ज्यादा नहीं लगेंगे!
ध्रुव, आम वाहनों द्वारा बीस मिनट में तय की जाने वाली इस दूरी को पांच मिनट में तय कर रहा था-

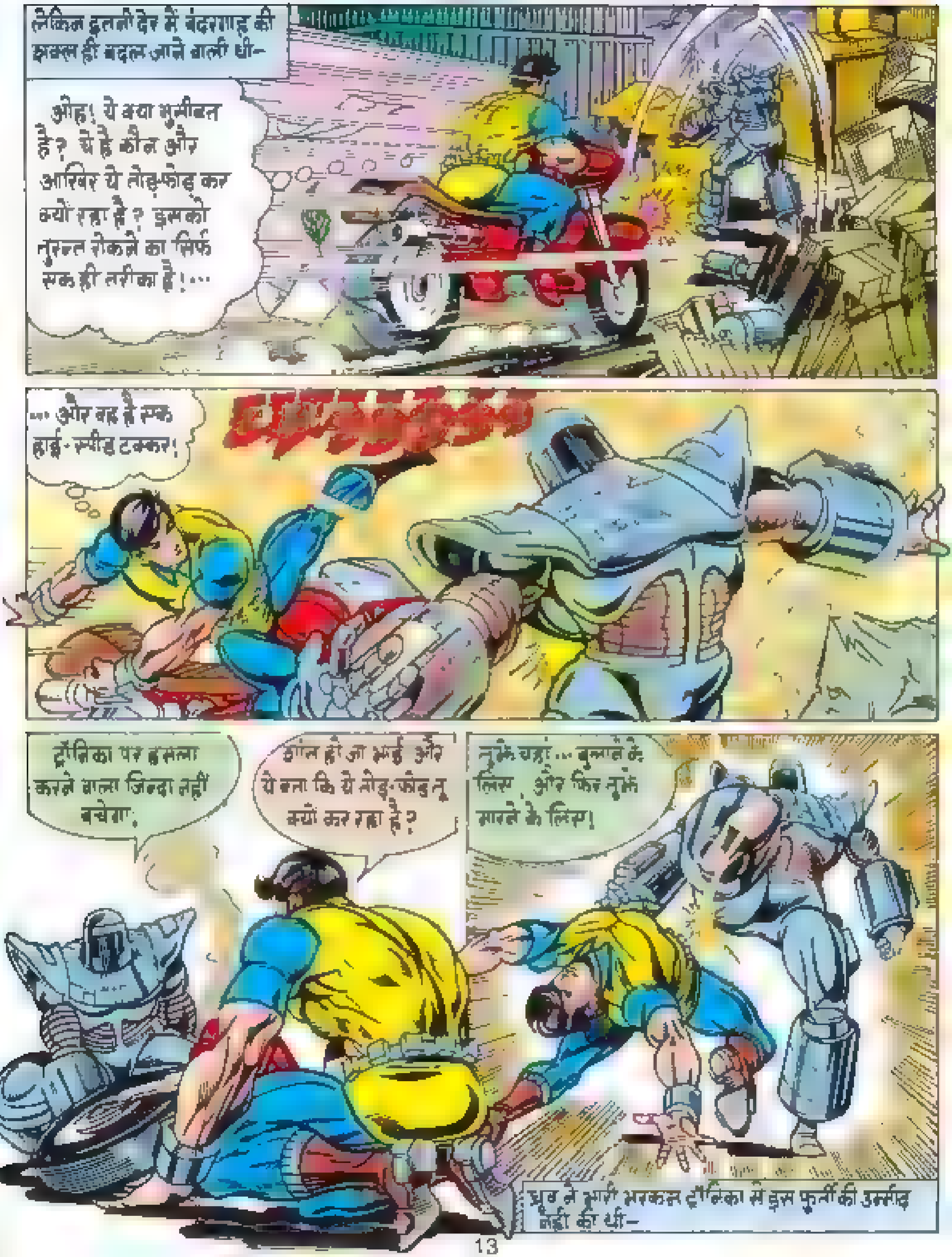
लेकिन इतनी देर में बंदरगाह की शक्ल ही बदल जाने वाली थी–
ओह! ये क्या मुसीबत है? ये है कौन और आखिर ये तोड़-फोड़ कर क्यों रहा है? इसको तुरन्त रोकने का सिर्फ एक ही तरीका है!...
...और वह है एक हाई-स्पीड टक्कर!
ट्रॉनिका पर हमला करने वाला जिन्दा नहीं बचेगा.
शांत हो जा भाई और ये बता कि ये तोड़-फोड़ तू क्यों कर रहा है?
तुझे यहां... बुलाने के लिए, और फिर तुझे मारने के लिए!
ध्रुव ने भारी भरकम ट्रॉनिका से इस फुर्ती की उम्मीद नहीं की थी–

ओऽऽऽह, ये इसकी किक थी, या घोड़े की दुलत्ती। इसका हुलिया तो उसी शख्स जैसा लगता है, जिसने बौना वामन को जेल से छुड़ाया था! लेकिन अगर यह वही है तो इसको मुझे बुलाकर मारने की जरूरत क्यों आ पड़ी? या... शायद ये बौना वामन का आदमी है! और उसी ने इसको भेजा है!
इसी वक्त- वहां से कई किलोमीटर दूर- राजनगर के दूसरे भाग में स्थित चुकाहारी टॉवर्स में-
मेरे मेज पर क्या गिरा?
खिलौना; नहीं नहीं, कई खिलौने हैं; पर ये आए कहां से?
इसाकी ने बेखयाली में ही एक खिलौने को छूने के लिए हाथ बढ़ाया-
और वह झटका खा गया-
ओऽऽऽ इसमें तो करंट दौड़ रहा है!
ये 'सेफ्टी यंत्र' मैं अपने हर खिलौने में लगाकर रखता हूं!
खैर, जो भी हो अगर मेरा ख्याल सही है तो इसको पकड़ना और भी जरूरी है; क्योंकि सिर्फ यही बता सकता है कि बौना वामन जेल से भागकर आखिर कहां गया है?

वर्ना क्या पता, मेरे खिलौने कोई चुरा ले जाए?
कमाल है! तू बौना वामन को नहीं जानता?... वामन तुझे तब तक हार्ट अटैक नहीं पड़ने देगा, जब तक तू मुझे उस 'माइक्रो चिप' का पता नहीं बता देता, जो तेरी कंपनी ने ताज़ा-ताज़ा बनाई है।
कौन हो तुम? और ये क्या बदतमीज़ी है, मैं दिल का मरीज़ हूं। अगर इस झटके से मुझे हार्ट-अटैक पड़ जाता तो?
तू... तू एयरकंडीशनिंग डक्ट से आया है, इसीलिए तू हमारे सिक्योरिटी सिस्टम से बचता हुआ यहां तक पहुंच गया है!
और तुझे माइक्रोचिप के बारे में भी पता है। यानी तुझे हमारी किसी प्रतिद्वन्द्वी कंपनी ने भेजा है, लेकिन यहां तू माइक्रोचिप लेने नहीं, अपनी जान देने आया है!
सिज़...
गुं गुं गुं
भाई हसकिम, माफ करना!
मुझे चीखो-पुकार एकदम पसंद नहीं है!

और इससे पहले कि हराकी, उस 'सक्शन कैप' को अपने मुंह से हटा पाता–
वह अपनी कुर्सी से बंध चुका था–
हां तो भाई हराकी! अब बता, कहां पर है वह 'चिप'?
नहीं बताएगा! फिर तो मुझे चुड़ैल की मदद लेनी होगी.
अगले ही पल, रसायनों से लिपटी झाड़ू की सींकें हराकी के शरीर में घुसकर भयंकर जलन पैदा करने लगीं–
ओऽऽऽ! आऽऽऽ! मुझसे तेरी हालत देखी नहीं जा रही है, हराकी! बता दे, गर्दन के इशारे से बता दे कि कहां पर है वह माइक्रो चिप?
भीषण जलन से तड़पते हराकी में प्रतिरोध करने की ताकत नहीं बची थी–
ओह! तू सेफ की तरफ इशारा कर रहा है! ... नहीं ... नहीं ...
... नंबर बताने की जरूरत नहीं है.
सेफ को तो मैं वैसे ही खोल लूंगा!

माइक्रोचिप बौना वामन की आंखों के सामने थी–
अहा! यही है दस करोड़ का माल!
लेकिन तभी–
अरे, अरे! ये क्या?
अगर मैं सरसराहट की आवाज़ सुनकर हवा में न उछल गया होता तो दो टुकड़ों में बंट गया होता.
आखिर ये तलवार है किसकी? ओह!
ये लिंज़ाज़ा की तलवार है बौने...
... और इसकी धार लोहे का खंभा तक काट सकती है। फिर सोच, ये तेरे मांस के बदन का क्या करेगी?
बड़ा बदतमीज़ है तू लिंज़ाज़ा! इतना भी नहीं जानता कि बॉस के कमरे में नॉक करके आना चाहिए.
अब मैं 'डुकट' के सामने आया तो चूहे की तरह फंस जाऊंगा, अब तो बाहर-बाहर ही भागना पड़ेगा! लेकिन कैसे?

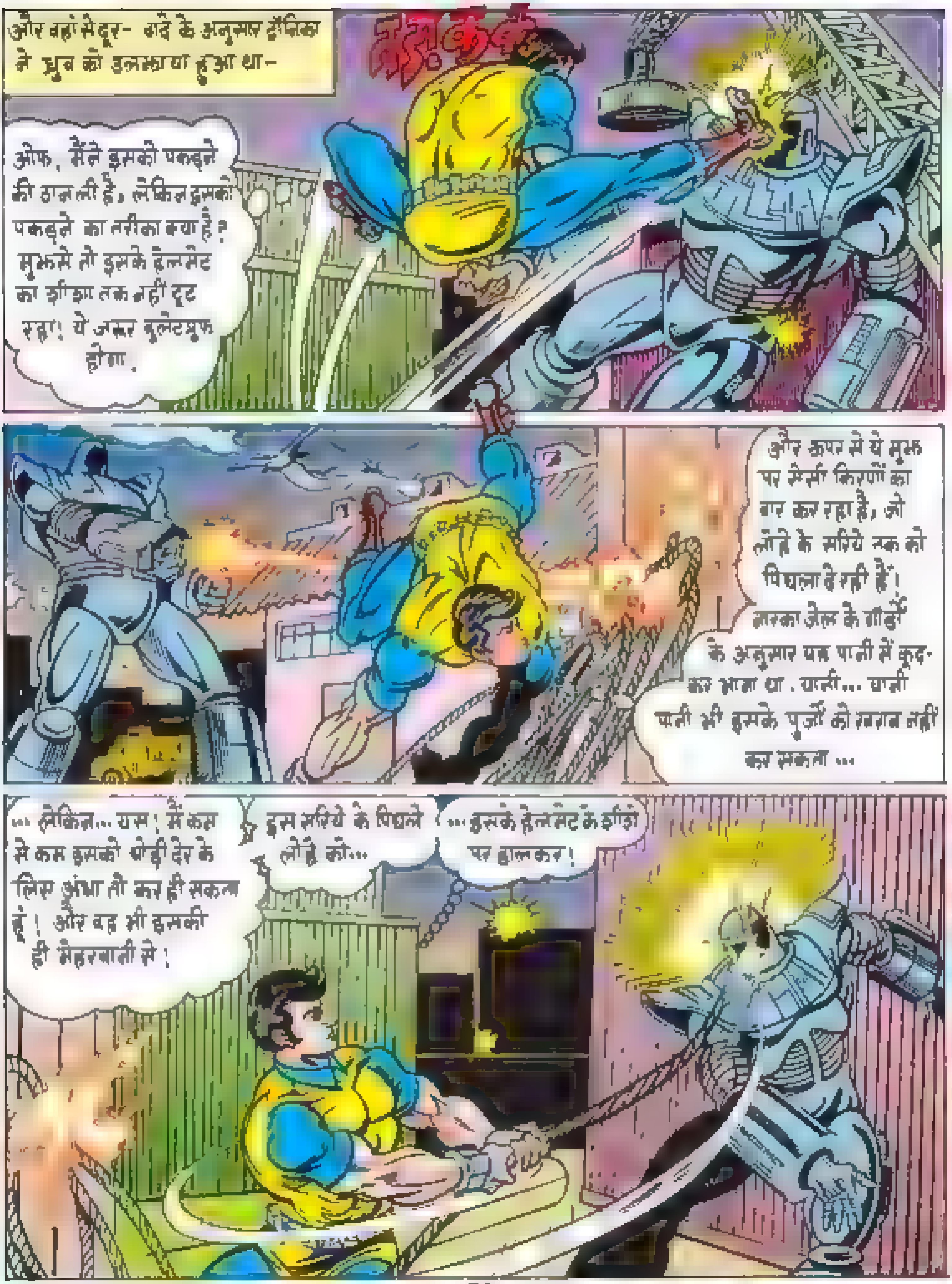
और वहां से दूर- वादे के अनुसार रोबिका ने ध्रुव को उलझाया हुआ था-
ओफ, मैंने इसको पकड़ने की ठान ली है, लेकिन इसको पकड़ने का तरीका क्या है? मुझसे तो इसके हेलमेट का शीशा तक नहीं टूट रहा! ये जरूर बुलेटप्रूफ होगा.
और ऊपर से ये मुझ पर ऐसी किरणों का वार कर रहा है, जो लोहे के सरिये तक को पिघला दे रही हैं! नरका जेल के गार्डों के अनुसार यह पानी में कूद कर भागा था. पानी... पानी... पानी भी इसके पुर्ज़ों को खराब नहीं कर सकता...
...लेकिन... बस! मैं कम से कम इसको थोड़ी देर के लिए अंधा तो कर ही सकता हूं! और वह भी इसकी ही मेहरबानी से!
इस सरिये के पिघले लोहे को...
...इसके हेलमेट के शीशे पर डालकर!

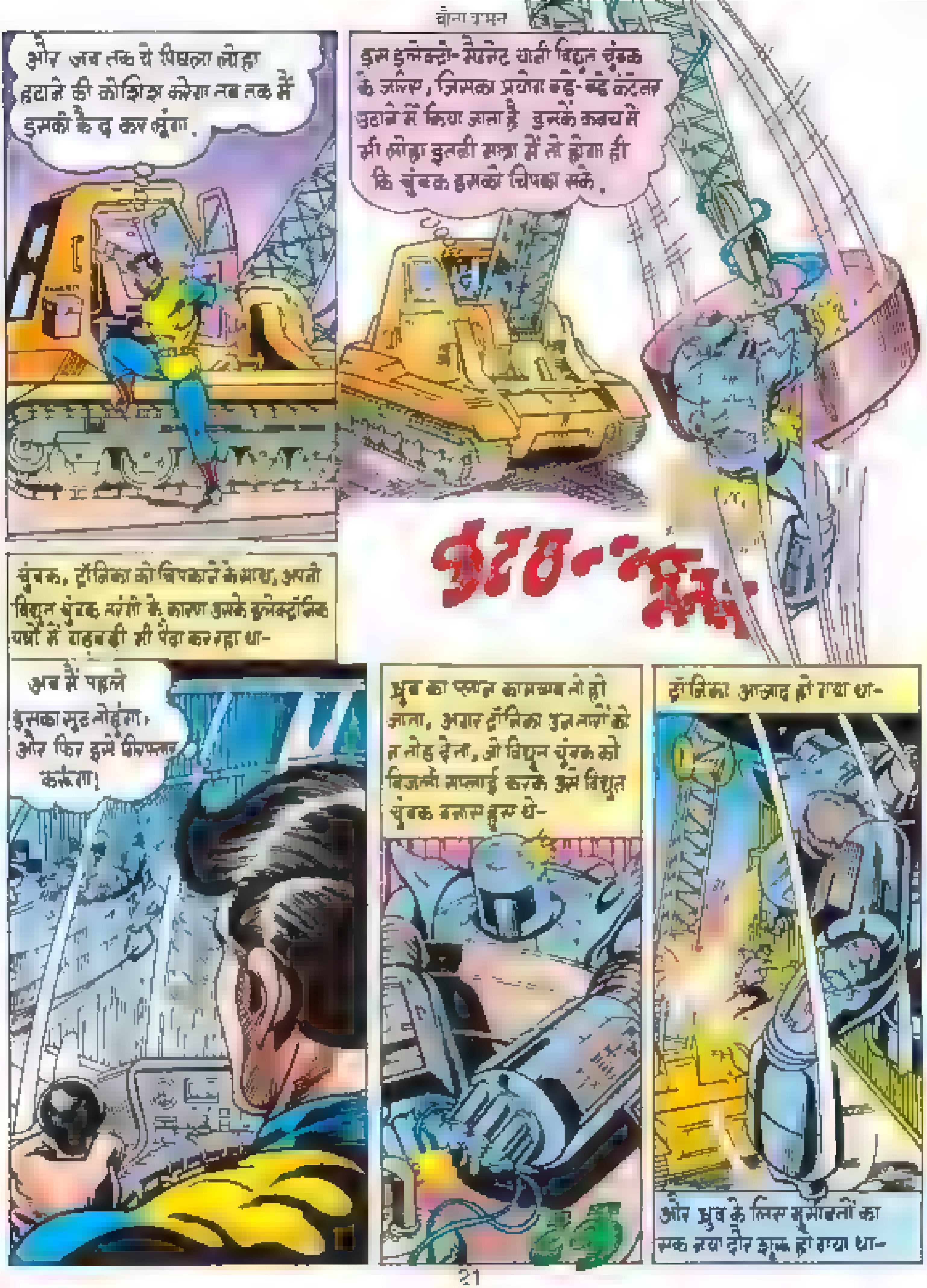
और जब तक ये पिघला लोहा हटाने की कोशिश करेगा तब तक मैं इसको कैद कर लूंगा.
इस इलेक्ट्रो-मैग्नेट यानी विद्युत चुंबक के ज़रिए, जिसका प्रयोग बड़े-बड़े कंटेनर उठाने में किया जाता है. इसके कवच में भी लोहा इतनी मात्रा में तो होगा ही कि चुंबक इसको चिपका सके.
चुंबक, टॉर्निका को चिपकाने के साथ, अपनी विद्युत चुंबकीय तरंगों के कारण उसके इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों में गड़बड़ी भी पैदा कर रहा था-
अब मैं पहले इसका सूट तोडूंगा, और फिर इसे गिरफ्तार करूंगा।
ध्रुव का प्लान कामयाब तो हो जाता, अगर टॉर्निका उन तारों को न तोड़ देता, जो विद्युत चुंबक को बिजली सप्लाई करके उसे विद्युत चुंबक बनाए हुए थे-
टॉर्निका आज़ाद हो गया था-
और ध्रुव के लिए मुसीबतों का एक नया दौर शुरू हो गया था-

बौना वामन भी अभी खतरे से बाहर नहीं निकल पाया था-
ओ भाई ! इसने तो मेरा हेलीकॉप्टर तोड़ दिया। मैं इसी के जरिए तो उड़कर बाहर जाने वाला था !
भगवान तो मुझ जैसे पापी की मदद करेंगे नहीं ! शायद ये चुड़ैल ही मुझे बचा ले !
चुड़ैल की झाड़ू का निशाना तो सही था-
और उससे निंजाजा को तकलीफ भी हुई-
लेकिन निंजाजा और हराकी की शारीरिक क्षमताओं में काफी फर्क था-
निंजाजा ने अपने शरीर में धंसे तिनकों का पलटवार बौना वामन पर ही कर दिया-
हु याऽऽऽऽ मर गया रे, अगली बार से हल्की जलन वाला सॉल्यूशन लगाऊंगा इन तिनकों पर !
बौना वामन बेबस तो हो गया था-
लेकिन निंजाजा को इस मौके का फायदा उठाने का मौका नहीं मिला-
हराकी का कक्ष ठीक उस लैब के ऊपर था जहां पर अपना काम निपटाकर श्वेता, घर जाने की तैयारी कर रही थी-
कुछ कूदने की आवाजें आ रही हैं ! अगर मिस्टर हराकी को डांस करने या रस्सी कूदने की आदत नहीं है तो ऊपर कुछ गड़बड़ हो रही है... और इस गड़बड़ को श्वेता नहीं...

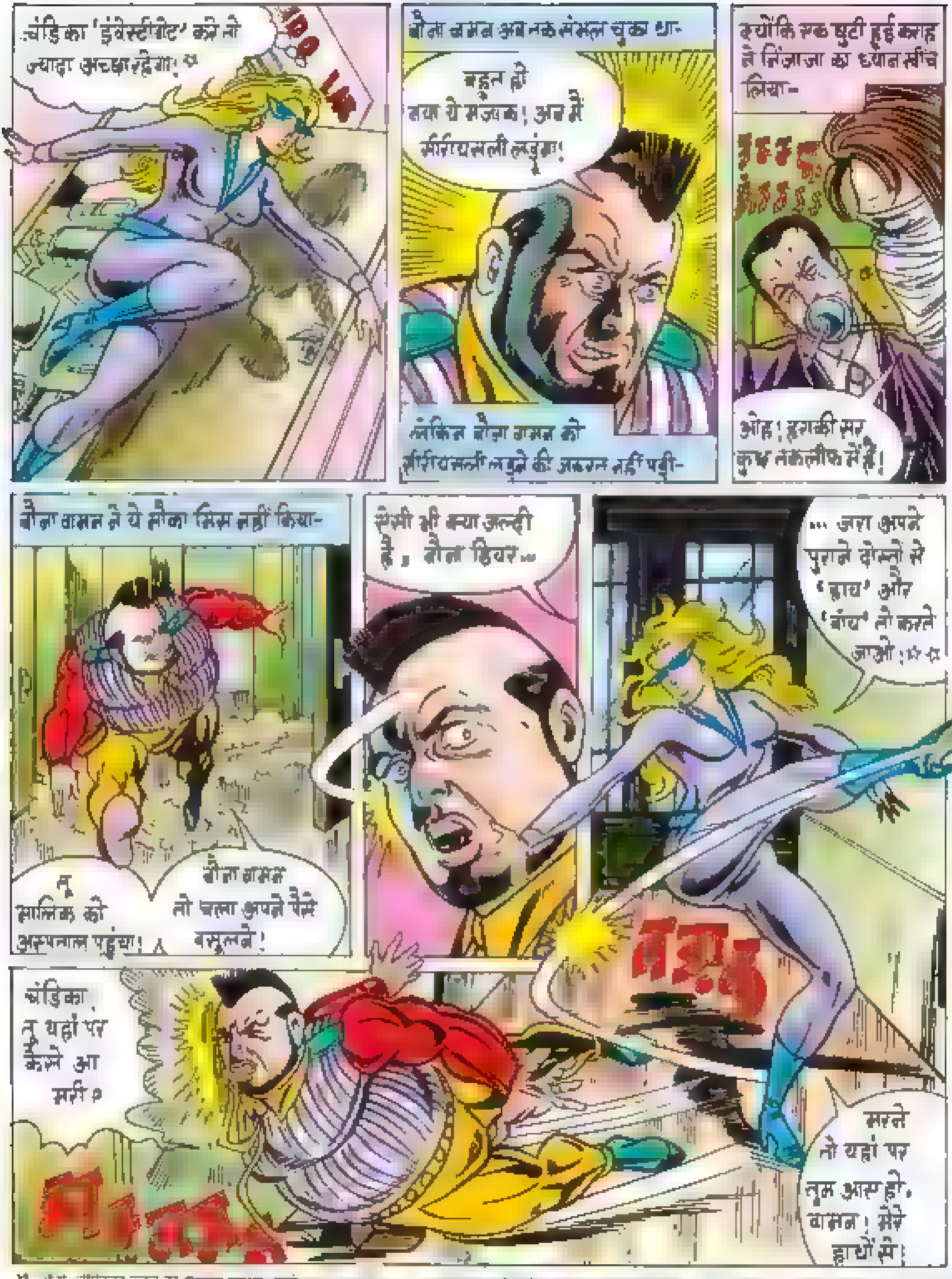
चंडिका 'इंवेस्टीगेट' करे तो ज्यादा अच्छा रहेगा! ✲
बौना वामन अब तक संभल चुका था-
बहुत हो गया ये मज़ाक! अब मैं सीरियसली लडूंगा!
लेकिन बौना वामन को सीरियसली लड़ने की ज़रूरत नहीं पड़ी-
क्योंकि एक घुटी हुई कराह ने निंजाजा का ध्यान खींच लिया-
ओह! इसकी मर कुछ तकलीफ में है!
बौना वामन ने ये मौका मिस नहीं किया-
तू मालिक को अस्पताल पहुंचा!
बौना वामन तो चला अपने पैसे वसूलने!
ऐसी भी क्या जल्दी है, बौना डियर...
... ज़रा अपने पुराने दोस्तों से 'हाय' और 'बाय' तो करते जाओ! ✲✲
चंडिका तू यहां पर कैसे आ मरी?
मरने तो यहां पर तुम आए हो, वामन! मेरे हाथों से!

✲ ... खूनी खिलौने

तभी- यूकाझारो इलेक्ट्रॉनिक्स के सुरक्षा गॉर्ड भी घटनास्थल पर आ पहुंचे-
तुम दोनों हिलना मत; वर्ना गोली मार दूंगा! तू खड़ा हो जा, और दिखा कि तेरे कमर के 'पाऊच' में क्या है?
मैंने कुछ नहीं किया गॉर्ड जी.
ये लड़की तो मुझे ख्वामख्वाह ही पीटे जा रही थी! छोटों को सभी दबाते हैं। मेरे पाऊच में देखो, सिर्फ ये खिलौना है.
रबर का!
रबर का खिलौना.
बम!
बम नहीं है; ये तो एक गुब्बारा है! लेकिन ये मामूली गुब्बारा नहीं है. इसमें पानी भरा हुआ है। एक छोटा सा हीटर भी लगा है। बटन दबाने से हीटर चलता है. हीटर पानी को भाप बनाता है! ...
... भाप भरने से रबर का गुब्बारा फूलता जाता है!
फूलता जाता है। फूलता जाता है.
और फिर धड़ाम से फट जाता है!

हा हा हा! अब तू मुझे पकड़ नहीं पाएगी चंडिका!
ये मुझ पर 'गमपिस्टल' से गोंद छोड़ रहा है!
मुझ पर नहीं; तू तो उछल-उछलकर बच ही जाएगी, मैं दीवार पर गोंद छोड़ रहा हूं!
ताकि तुझे दीवार से चिपका कर भाग सकूं।
ओफ! ये बौना क्या कर गया; इसके गोंद ने मेरी पोशाक के अन्दर घुस-कर पोशाक को भी मेरे शरीर से चिपका दिया है; वर्ना मैं शर्म छोड़-कर पीठ और हाथ का कपड़ा फाड़ कर ही आजाद हो जाती!
अब तो एक ही तरीका बचता है!...
... कि मैं दीवार का प्लास्टर तोड़कर आजाद हो जाऊं!
इतनी देर में बौना वामन कई मंजिल नीचे पहुंच चुका था, और अब चंडिका उस तक शायद नहीं पहुंच सकती थी–
या पहुंच सकती थी–
रेलिंग पर फिसलती चंडिका ने शीघ्र ही बौना वामन को जा पकड़ा–

चंडिकाऽऽऽऽ
मुझसे पंगा मत ले, वर्ना तुझे न तो स्वर्ग पहुंचाऊंगा और न ही नर्क, बीच में झूला कर रख दूंगा.
वैसे तो मैं तुझसे रुककर जरूर लड़ता, पर क्या करूं? मजबूरी है! पैसा कलेक्ट करने जो जाना है!
बेल्ट का एक बटन दबाते ही बौना वामन की पोशाक फूलनी शुरू हो गई–
और बौना वामन और तेज़ी से भागने लगा–
ओह! अब यह गेंद बनकर लुढ़कता हुआ भाग रहा है!
ऐसे तो यह उस खुले दरवाज़े से बाहर निकल जाएगा!
लेकिन तब जब दरवाज़ा खुला रहेगा! मैं अपनी पोशाक में चिपके इस प्लास्टर के टुकड़े से निशाना साधकर दरवाज़े को बन्द कर सकती हूं!
और उसके बाद आराम से इस बंद जगह पर बौना वामन से फुटबाल खेल सकती हूं!
अरे, अरे! क्या कर रही है? मुझे चक्कर आ रहा है.

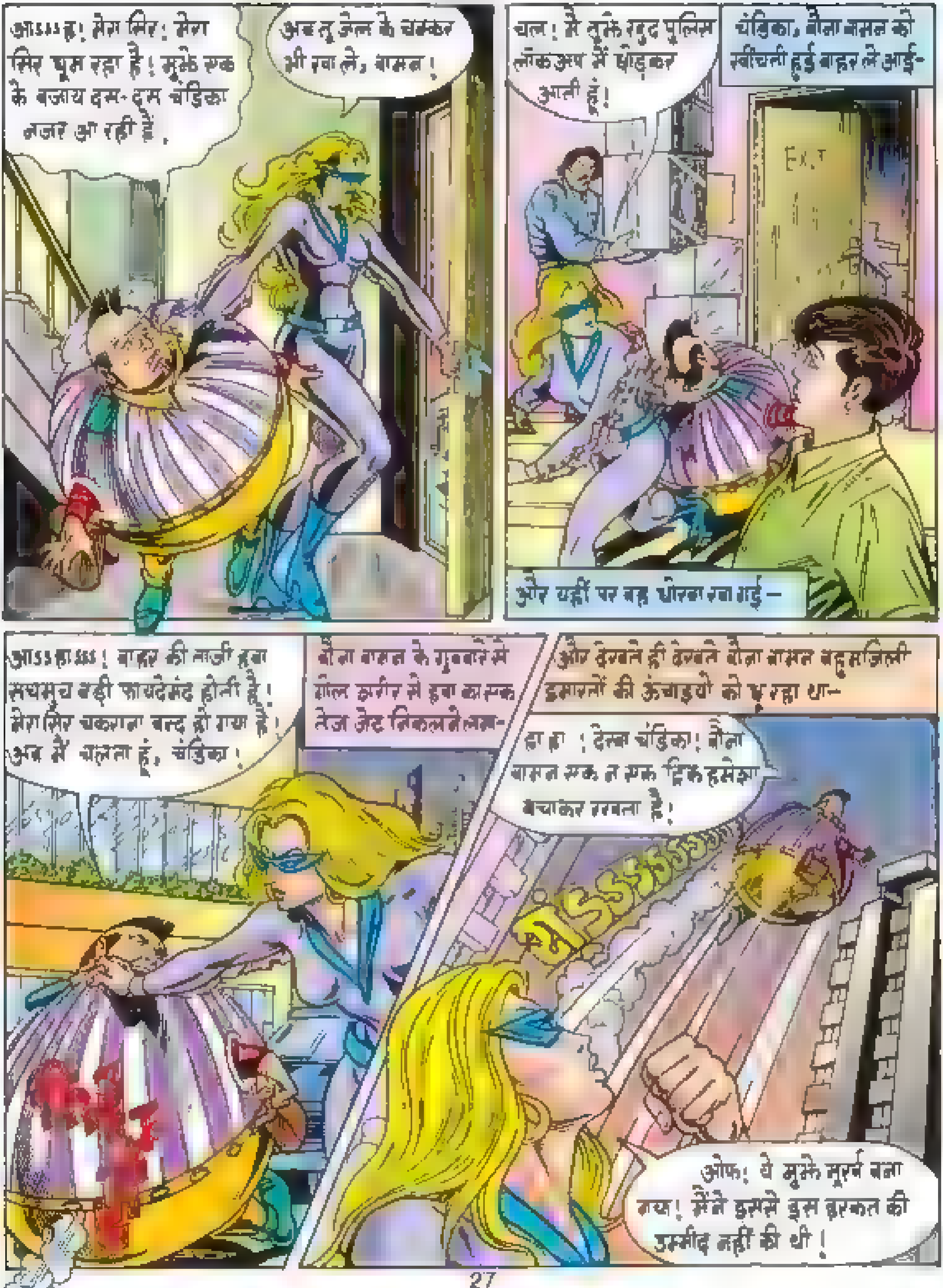
आऽऽऽह! मेरा सिर! मेरा सिर घूम रहा है! मुझे एक के बजाय दस-दस चंडिका नजर आ रही हैं.
अब तू जेल के चक्कर भी खा ले, वामन!
चंडिका, बौना वामन को खींचती हुई बाहर ले आई-
चल! मैं तुझे खुद पुलिस लॉकअप में छोड़कर आती हूं!
और यहीं पर वह धोखा खा गई-
आऽऽहाऽऽऽ! बाहर की ताजी हवा सचमुच बड़ी फायदेमंद होती है! मेरा सिर चकराना बन्द हो गया है! अब मैं चलता हूं, चंडिका!
बौना वामन के गुब्बारे से गोल शरीर से हवा का एक तेज जेट निकलने लगा-
और देखते ही देखते बौना वामन बहुमंजिली इमारतों की ऊंचाइयों को छू रहा था-
हा हा! देख चंडिका! बौना वामन एक न एक ट्रिक हमेशा बचाकर रखता है!
ओफ! ये मुझे मूर्ख बना गया! मैंने इससे इस हरकत की उम्मीद नहीं की थी!

लेकिन मुझे इस बात की आशंका तो थी कि बौना वामन शायद मेरे हाथों से बचकर भागने में सफल हो जाए इसीलिए मैंने उस पर एक 'माइक्रो लोकेटर' चिपका दिया है! अब मुझे घर जाकर सिर्फ उस रिसीवर को लेना है जो उस 'माइक्रो लोकेटर' के सिग्नलों को ग्रहण करता है। उससे मुझे तुरन्त पता चल जाएगा कि बौना वामन इस वक्त कहां पर है?
घर की तरफ रवाना हो रही चंडिका उर्फ श्वेता को इस बात का जरा भी अहसास नहीं था…
–कि ऊपर युकहारो टॉवर्स में एक अनहोनी घट चुकी है–
ओह नो, मुझे इस बात की आशंका थी। इसीलिए मैंने चौबीस घंटे मिस्टर हराकी के पास रहने का प्रोग्राम बनाया था!
लेकिन… लेकिन मिस्टर हराकी को हुआ क्या है डॉक्टर केजामो?
ही इज डड!
ये मर चुके हैं!
एक तेज दिल के दौरे से! शायद 'माइक्रो चिप' की चोरी इनसे बर्दाश्त नहीं हो सकी!
नहीं!
निंजाजा आज पहली बार अपने एसाइनमेंट में फेल हुआ है लेकिन मैं इसका प्रायश्चित करूंगा, जरूर करूंगा! उस शैतान बौने के टुकड़े-टुकड़े करके! मैं उसे ढूंढकर उसकी हस्ती मिटा दूंगा! और उसे भी मिटा दूंगा, जो मुझे इस काम को करने से रोकने की कोशिश करेगा!

इस पूरे घटनाक्रम से ध्रुव को दूर रखने की साजिश कामयाब हो गई थी, क्योंकि 'फ्लकारोटेवर्स' से दूर, ध्रुव अभी तक टॉनिका से ही उलझा हुआ था–
विद्युत चुंबक मेरी एक मात्र उम्मीद था, और वह भी नाकामयाब हो गया! अब तो इसके सामने ज्यादा देर तक ठहरना भी मुश्किल लग रहा है। अगर चुंबक काम कर जाता तो...
...आहा, ये कॉपर का मोटा तार! ये शायद मेरी मदद कर सके, लेकिन इसके लिए मुझे टॉनिका को लगभग आधे मिनट के लिए असंतुलित करना पड़ेगा!
और यह काम ज्यादा मुश्किल नहीं होना चाहिए!
इस बार टॉनिका के आगे बढ़ते ही ध्रुव ने इसके पैरों के नीचे अपना रोलर स्केट्स सरका दिया–
और टॉनिका अपना संतुलन खोकर नीचे आ गिरा–
और उसी पल ध्रुव 'कॉपर वॉयर' का एक छोर पकड़कर–

ड्रॉगिका के चारों तरफ कई चक्कर लगा गया-
और ड्रॉगिका के शरीर पर तार की एक कुंडली कस गई-
और इससे पहले कि ड्रॉगिका, मोटे तार के बंधनों को तोड़ पाता-
ध्रुव ने कॉपर वायर के दोनों सिरों को क्रेन के उसी जेनरेटर से जोड़ दिया, जो विद्युत चुंबक को बिजली सप्लाई कर रहा था-
मेरा यह प्लान इस बात पर निर्भर करता है कि ड्रॉगिका के वार से इस क्रेन का जेनरेटर न खराब हुआ हो! वर्ना... ओह, जेनरेटर काम कर रहा है!
जेनरेटर द्वारा तारों की कुंडली में बिजली दौड़ते ही ड्रॉगिका का लौह-शरीर खुद एक चुंबक की तरह काम करने लगा-
और ड्रॉगिका द्वारा तोड़-फोड़ करने के कारण फैली लोहे की हर चीज उसके शरीर की तरफ आकृष्ट होने लगी-
और कुछ ही पलों बाद ड्रॉगिका का शरीर लोहे के एक बड़े से ढेर के नीचे दबा हुआ था-
आहा! अब आया है ऊंट पहाड़ के नीचे! अब जब तक 'कॉपर क्वायल' में करंट दौड़ता रहेगा, तब तक यह ऐसे ही दबा रहेगा!

लेकिन ध्रुव की यह खुशी ज्यादा देर तक नहीं टिकी–
अरे, अरे! कमाल की ताकत है इस ट्रॉनिका में. यह अपने शरीर पर लदे टनों भारी वजन को घसीटता हुआ समुद्र की तरफ जा रहा है!
टनों भारी वजन के साथ, ट्रॉनिका का शरीर तेजी से पानी की तरफ गिरा–
और इस झटके से क्रेन के जेनरेटर में फंसे 'कॉपर क्वायल' के तार बाहर निकल गए–
ओह! मैग्नेटिज्म खत्म हो गया है! ट्रॉनिका अब तैरकर भाग सकता है!
अगर वह भाग गया तो बोना कमल का पता फिर कभी नहीं मिलेगा!
लेकिन काफी देर तक लहरों की खाक छानने के बाद भी ध्रुव को ट्रॉनिका का कोई पता नहीं मिला–

तभी–
ओह, 'स्टार ट्रांसमीटर' पर मैसेज आ रहा है! अब मैं यहां पर टॉक्सिका को ढूंढने के लिए नहीं रुक सकता, क्योंकि मैसेज सुनने के लिए मुझे पानी से बाहर निकलना ही पड़ेगा। क्या करूं? टॉक्सिका को ढूंढने के लिए रुकूं, या मैसेज सुनने सतह पर आऊं?
टॉक्सिका के मिलने की संभावना काफी कम है, और मैसेज जरूरी भी हो सकता है। बेहतर है कि मैसेज ही सुन लिया जाए!
ध्रुव ने सही फैसला किया था–
हैलो करीम!
कैप्टेन! पुलिस हेडक्वार्टर पर बहुत बड़ी गड़बड़ हो गई है!
कोई जापानी निंजा पुलिस पर हमला कर रहा है!
और उनके काबू में नहीं आ रहा है! तुम तुरन्त पुलिस हेडक्वार्टर पहुंचो!
ओ॰ के॰ करीम!
आई एम ऑन माई वे!
पुलिस हेडक्वार्टर में हालात वाकई बेकाबू हो रहे थे–
क्या हुआ है? ये हंगामा कैसा हो रहा है?
कौन घुस आया है पुलिस हेडक्वार्टर में, जिसको हमारी पुलिस फोर्स भी संभाल नहीं पा रही है?
कोई जापानी निंजा फाइटर है सर! अपने आपको निंजाजा बताता है। वह हमारे रिकॉर्डरूम में घुसकर गैंग गमन से संबंधित फाइल को उठा रहा था!
हमारे चैलेंज करने पर उसने हम पर हमला कर दिया। अब वह छत की तरफ भाग रहा है, और हम उसको जिन्दा पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं!

निजाजा को पकड़ना ही मुश्किल था! जिन्दा पकड़ना तो सुनने में असंभव सा लगता था-
इसके पैरों पर गोली चलाओ! इसे जिन्दा पकड़ना है!
हमारी गोलियां इस तक पहुंचे तो सही, सर!
यह अपनी तलवार को तेज गति से घुमाकर लोहे की ऐसी दीवार बना रहा है कि हमारी गोलियां इसके पार नहीं जा पा रही हैं।
पुलिस वालों को फिर से गोली चलाने का मौका ही नहीं मिला-
छत का बंद दरवाजा भी निजाजा की तेज धार तलवार के आगे टिक नहीं सका-
आऽऽह! अब ये फंस गया! बारहवीं मंजिल की छत से कूदकर ये भाग नहीं सकता!
सिर्फ मर सकता है!
तभी अचानक निजाजा के हाथों से पहले तो फावड़ा खिंच गई-
और फिर वह खुद पीछे आ गिरा-

सुपर कमांडो ध्रुव ने पुलिस हेडक्वार्टर पहुंचने में देर नहीं की थी-
कौन है तू लड़के? निंजाजा का रास्ता काटकर अपनी गर्दन क्यों कटवाना चाहता है? ये फाइल मुझे दे दे, और हट जा मेरे रास्ते से!
ये फाइल तो बौना वामन की है! इस फाइल से तुम्हारा क्या भला होने वाला है?
इस फाइल से मुझे उस शैतान बौने के ठिकानों का पता मिलेगा! और फिर मैं उसको ढूंढकर उसके टुकड़े-टुकड़े करूंगा!
और अपने बॉस हरकी की मौत का बदला लूंगा!
हरकी! हरकी... मर गया? पर कैसे?
तू हरकी को भी जानता है! बौना वामन को भी जानता है! आखिर तू है कौन?
मैं सुपर कमांडो ध्रुव हूं! बौना वामन को मैंने ही जेल में बंद करवाया था, और उसके जेल से भागने के सिलसिले में मैं हरकी से भी मिलने गया था!
समझ गया! लेकिन मेरे पास बातों के लिए वक्त नहीं है! पुलिस वाले फिर से मेरे पीछे आते ही होंगे, और मुझे ऐसा लगता है कि मैं तुमको मारकर ही आगे बढ़ पाऊंगा!
समझ तो तुम ठीक रहे हो निंजाजा, लेकिन मुझे मारना आसान नहीं है! कोशिश करके देख लो!

तूने मेरे हाथ से तलवार गिरा दी! बड़े दिनों बाद ऐसा लड़ाका मिला है! तुझको मारने में मजा आएगा!
ओह! यह मुझ पर धारदार डिस्कों से वार कर रहा है, जिनको शायद 'शूरिकेन' कहते हैं, मैं 'स्टार ब्लेड्स' से इसका मुकाबला तो कर सकता हूं, लेकिन मेरे ब्रेसलेट में इतने 'स्टार ब्लेड्स' नहीं हैं, जो इसके शूरिकेनों की बरसात का मुकाबला कर सकें! इस 'बरसात' को रोकना होगा!
और इस बरसात को रोकने का सबसे अच्छा तरीका है कि शूरिकेनों को फेंकने वाले 'मैकेनिज्म' को ही जाम कर दिया जाए!
स्टार ब्लेड्स ने शूरिकेन को फेंकने वाले हर मुंह को बन्द कर दिया-
और ध्रुव के इस वार से चकित निंजा ध्रुव का अगला वार नहीं बचा पाया-

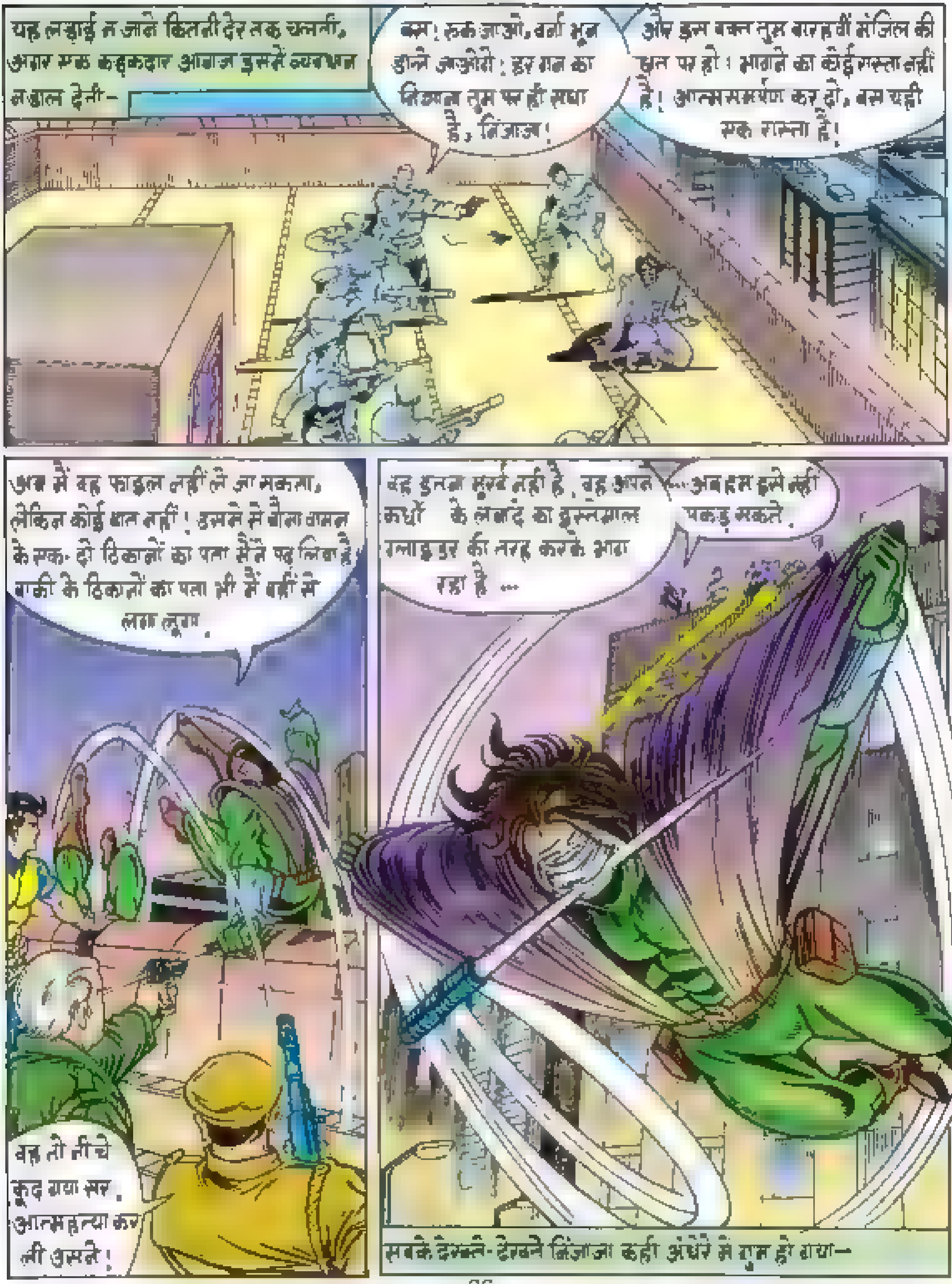
यह लड़ाई न जाने कितनी देर तक चलती, अगर एक कड़कदार आवाज इसमें व्यवधान न डाल देती—
बस! रुक जाओ, वर्ना भून डाले जाओगे! हर गन का निशाना तुम पर ही सधा है, निंजाजा!
और इस वक्त तुम बारहवीं मंजिल की छत पर हो! भागने का कोई रास्ता नहीं है! आत्मसमर्पण कर दो, बस यही एक रास्ता है!
अब मैं वह फाइल नहीं ले जा सकता, लेकिन कोई बात नहीं! इसमें से बौना वामन के एक-दो ठिकानों का पता मैंने पढ़ लिया है. बाकी के ठिकानों का पता भी मैं वहीं से लगा लूंगा.
वह तो नीचे कूद गया सर. आत्महत्या कर ली उसने!
वह इतना मूर्ख नहीं है. वह अपने कंधों के लबादे का इस्तेमाल ग्लाइडर की तरह करके भाग रहा है...
...अब हम इसे नहीं पकड़ सकते.
सबके देखते-देखते निंजाजा कहीं अंधेरे में गुम हो गया—

निंजाजा भाग तो गया है, लेकिन अपने पीछे अपनी एक चीज़ छोड़ गया है। यह तलवार! इसमें उसके शरीर की गंध मौजूद है, और इससे मैं यह पता लगा लूंगा कि वह कहां गया है! लेकिन क्या ये खबर सच है कि मिस्टर हराकी मर गए हैं?
हां, ध्रुव! और उनकी मौत का कारण बौना वामन द्वारा एक माइक्रोचिप का ले जाया जाना है! हराकी की लाश को जापान भेजने की तैयारी की जा रही है।
सवाल: यानी बौना वामन को जेल से वही चिप चुराने के लिए भगाया गया था; हुम! इस दौरान मिस्टर हराकी के पार्टनर मिस्टर तकाशी कहां पर थे?
तकाशी एक बिजनेस मीटिंग में गए हुए हैं! वे कहां पर हैं, क्या कर रहे हैं, इसका किसी को कुछ पता नहीं है! उनसे हमारा कोई संपर्क नहीं है!
यानी यह अभी तक रहस्य ही है कि बौना वामन को जेल से भगाने वाला डॉरिका आखिर कौन है, और वह किसके कहने पर यह सारे काम कर रहा है! अभी उसने ब्लैक हार्बर पर भी तोड़-फोड़ की थी, मैं वहां पर पहुंचा तो था, लेकिन उसे पकड़ पाने में असफल रहा! खैर अगर बौना वामन हराकी की मौत का कारण है तो उसको कानून की गिरफ्त में लाने का यह एक और कारण है!
और इस बार मैं असफल नहीं होऊंगा।
बौना वामन इस बार एक गुप्त अड्डे पर मौजूद था, जिसका पता डॉरिका के अलावा और किसी को भी नहीं था-
आओ, बैट बॉल! मेरा सामान ले आए?
हां, बॉस! लेकिन बड़ी दिक्कत हुई हमको! युकाहामी इलेक्ट्रॉनिक्स की यूनिफॉर्म पहनकर अंदर घुसना पड़ा! पुलिस का सख्त पहरा था, लेकिन फिर भी हम यह लाने में कामयाब हो गए।
आहाहा! हाहाहा!
आ गया मेरा रिमोट कंट्रोल!

अब मैं ट्रांनिका से दस करोड़ के बजाय सौ करोड़ वसूलूंगा! क्योंकि अब डॉक्टर पिल्लै की मेहरबानी से मुझे इस 'चिप' की असली स्थिति का पता लग चुका है!
मुझे पहले से ही शक था कि ... को कोई मामूली चिप ... काम दे ही नहीं सकता. इसीलिए इस शक की पुष्टि करने के लिए मैंने तुम्हारे हाथों डॉक्टर पिल्लै को पहले ही अपने पास बुलवा लिया था.
आप हमेशा एक न एक ट्रिक बचाकर रखते हैं, बॉस! इसीलिए आप ग्रेट...
चंडिका भी एक न एक ट्रिक बचाकर रखती है! तेरे ऊपर मेरे द्वारा चिपकाए गए 'लोकेटर' ने मुझे सीधा तुझ तक पहुंचा दिया.
चंडिका, तू मेरे पीछे क्यों पड़ गई है? ... इसको रोको.
अब कहीं भागने वाला चंडिका तेरा पीछा नहीं छोड़ेगी!
ये मुझ पर हल्के टाइप ... कर रहा है.
जो किसी इंसान के चिथड़े तो नहीं उड़ा सकते, लेकिन उसे बेहोश जरूर कर सकते हैं!
तब तक मैं बाहर की तरफ भागता हूं!

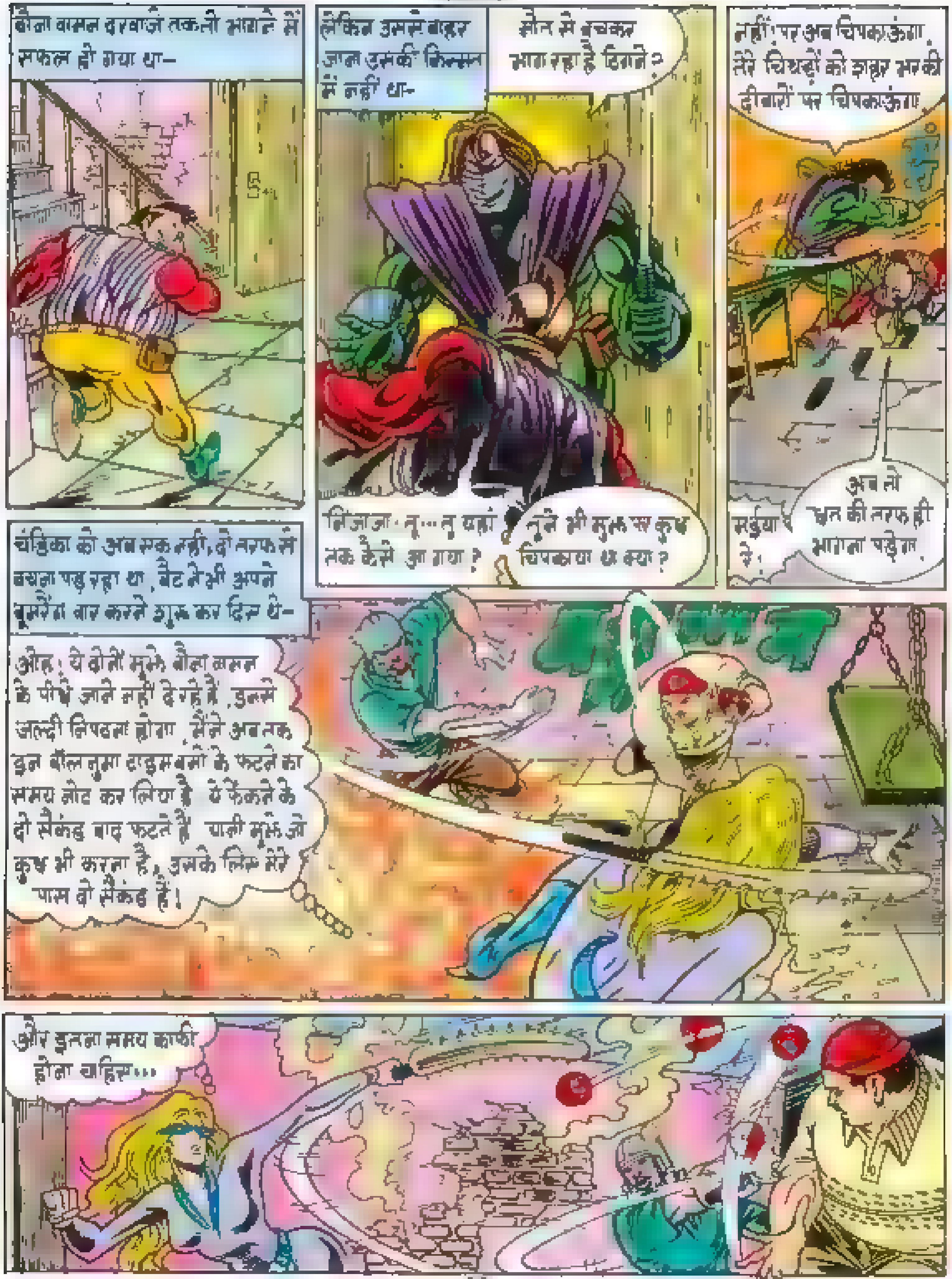
बौना वामन दरवाजे तक तो भागने में सफल हो गया था–
लेकिन उससे बाहर जाना उसकी किस्मत में नहीं था–
कोने में दुबककर भाग रहा है ठिगने ?
नहीं! पर अब चिपकाऊंगा, तेरे चिथड़ों को शहर भर की दीवारों पर चिपकाऊंगा!
निंजा! तू... तू यहां तक कैसे आ गया ?
तूने भी मुझ पर कुछ चिपकाया था क्या ?
मईया रे!
अब तो छत की तरफ ही भागना पड़ेगा.
चंडिका को अब एक नहीं, दो तरफ से लड़ना पड़ रहा था, बैट ने भी अपने बूमरैंग वार करने शुरू कर दिए थे–
ओह! ये दोनों मुझे बौना वामन के पीछे जाने नहीं दे रहे हैं. इनसे जल्दी निपटना होगा. मैंने अब तक इन बॉल नुमा टाइम बमों के फटने का समय नोट कर लिया है. ये फेंकने के दो सैकेंड बाद फटते हैं. यानी मुझे जो कुछ भी करना है, उसके लिए मेरे पास दो सैकेंड हैं!
और इतना समय काफी होना चाहिए...

इस बॉल को 'बैट' तक पहुंचाने के लिए।
परफेक्ट शॉट।
एक विकेट डाउन हो गया।
अब दूसरे की बारी है।
सनसनाता हुआ आगे बढ़ा बैट, 'बॉल' के हाथों में मौजूद टाइम बमों को रगड़ता चला गया-
बैट-बॉल से निपटने में चंडिका को कोई खास दिक्कत पेश नहीं आई थी-
अब ये गोला वापस किधर आ गया? इतनी देर में ज्यादा दूर जाना तो संभव नहीं... ओह! वह छत पर है! ...
... पुकारा तो इलेक्ट्रिक्स में भी इसका सुराग मुझे ऐसे ही मिला था!
और वे सभी एक साथ फट पड़े-
छत पर गोला मौजूद था तो जरूर। मगर अकेला नहीं-
ओ मिर्ज़ा! अगर तेरा बॉस कमजोर दिल का था तो मैं क्या करूं? मैंने उसकी धड़कन थोड़े ही रोकी है।
कारण तो तू ही है गोले! अगर तू 'चिप' न चुराता तो वे कभी न मरते!

यानी तू बातों से नहीं मानेगा, तुझसे लड़ना ही पड़ेगा!
एक बटन दबाते ही बौना वामन की पोशाक पर तेज नोक वाली कीलें उभर आईं-
और लिंजाजा का शरीर छलनी होने लगा-
देखा लिंजाजा? बौना वामन से पंगा मत लेना!
क्योंकि बौना वामन एक न एक ट्रिक हमेशा बचाकर रखता है!
यह मुझे तलवार तक उठाने नहीं दे रहा है! लेकिन मैं भी लिंजाजा हूं! दुश्मन की ताकत को कमजोरी में बदलना मुझे आता है!
लिंजाजा जमीन पर पड़ी ईंटों को उठा-उठाकर निशाना साधकर फेंकने लगा-
और वे ईंटें, कीलों में धंसकर वामन का वजन बढ़ाने लगीं-
अरे! मैं तो पहले से ही डाइटिंग पर हूं! मेरा वजन और क्यों बढ़ा रहा है? अब तो कीलों को अन्दर करना ही पड़ेगा।
और दूसरी ट्रिक लगानी पड़ेगी।
तेरी कोई ट्रिक अब काम नहीं आएगी बौना वामन! क्योंकि अब तू दो तरफ से घिर गया है, इधर से मैं तुझे मारूंगी और उधर से लिंजाजा! पर ये लिंजाजा है कौन? और ये तुझे पीट क्यों रहा है?

पूरी कहानी सुनाने बैठ गया तो जिन्दा कहां बचूंगा, पहले जिन्दा बच लूं, फिर आराम से कहानी सुनाऊंगा!
अब मैं तो दोनों से एक साथ नहीं बच सकता, बचने का एक ही रास्ता बचता है; और वह ये कि मैं अपने पाऊच में रखा रिमोट और वह माइक्रो चिप निकालूं और इन दोनों को एक-दूसरे से ही लड़ा दूं!
बौना वामन जो कुछ करने जा रहा था–
चंडिका को उसका आभास नहीं था–
बौना वामन ने फुर्ती से माइक्रो चिप के उभरे तारों को चंडिका की गर्दन में धंसा दिया।
और एक चीख के साथ चंडिका का दिमाग अंधेरे में गुम होने लगा–
लेकिन चंडिका का सिर्फ जाग्रत मस्तिष्क यानी कॉन्शस माइंड ही सोया था; अर्द्ध जाग्रत यानी सेमी कॉन्शस दिमाग अभी भी जागा हुआ था–
अब चंडिका नींद में चल रही थी–
हा हा हा, डॉक्टर पिल्ले ने एकदम सही खबर दी थी, इस चिप की एक खासियत यह भी है कि इसे किसी भी इन्सान के शरीर में कहीं भी चिपका दो,
तो यह चिप उस इन्सान के नर्वस सिस्टम से जुड़ जाती है!
और फिर इस नर्वस सिस्टम के जरिए उस इन्सान के शरीर को इस रिमोट द्वारा चलाया जा सकता है!
अब चंडिका का शरीर मेरे कब्जे में है, और इसे मैं रिमोट के जरिए तिंजाजा से लड़वाऊंगा। इसी बहाने इस चिप की टेस्टिंग भी हो जाएगी।

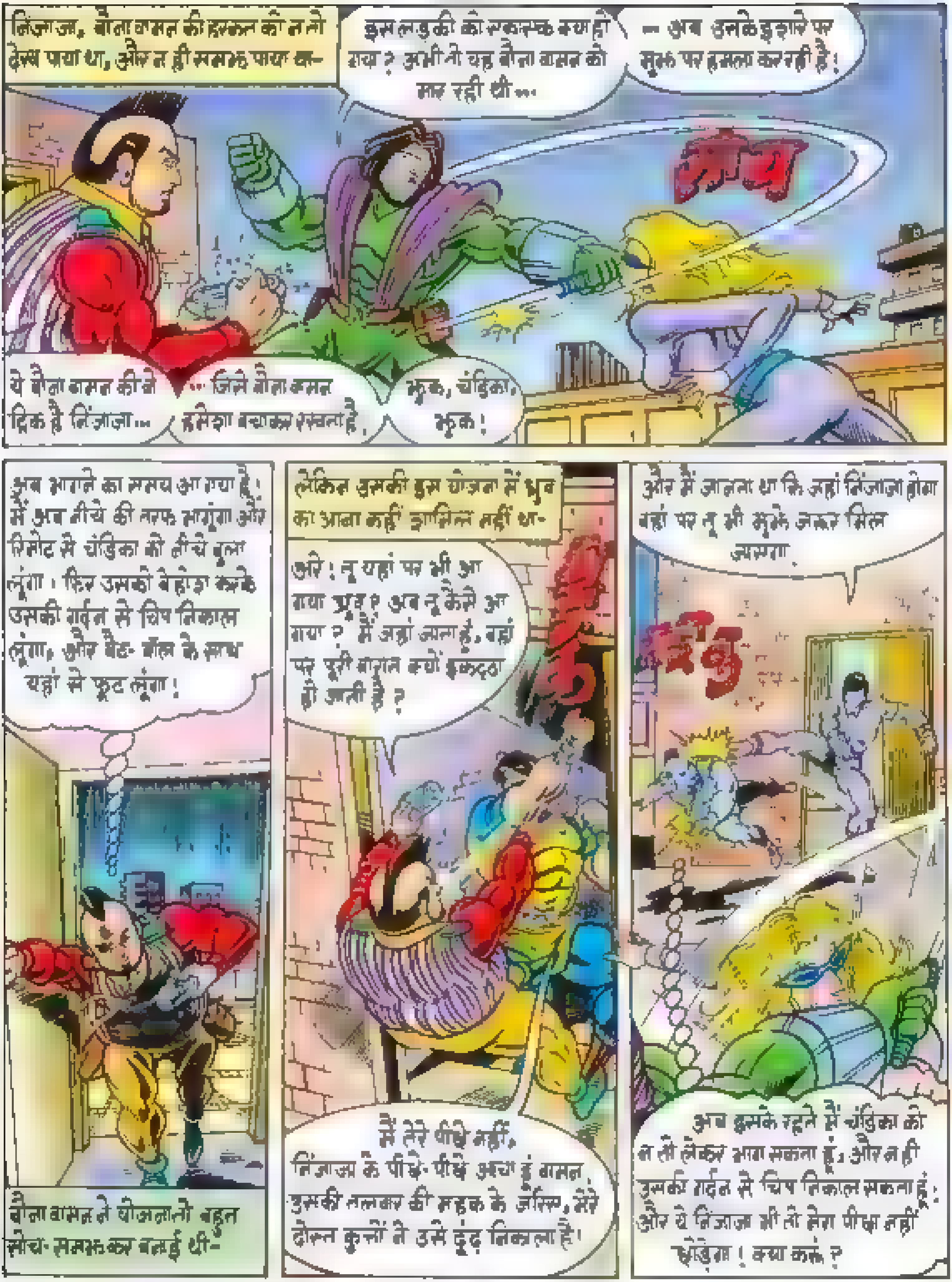
निंजाजा, बौना वामन की हरकत को न तो देख पाया था, और न ही समझ पाया था-
इस लड़की को एकाएक क्या हो गया? अभी तो यह बौना वामन को मार रही थी...
...अब उसके इशारे पर मुझ पर हमला कर रही है!
ये बौना वामन की वो ट्रिक है निंजाजा...
...जिसे बौना वामन हमेशा बचाकर रखता है,
झुक, चंडिका, झुक!
अब भागने का समय आ गया है। मैं अब नीचे की तरफ भागूंगा और रिमोट से चंडिका को नीचे बुला लूंगा। फिर उसको बेहोश करके उसकी गर्दन से चिप निकाल लूंगा, और बेट-बॉल के साथ यहां से फूट लूंगा!
बौना वामन ने योजना तो बहुत सोच-समझकर बनाई थी-
लेकिन उसकी इस योजना में ध्रुव का आना कहीं शामिल नहीं था-
अरे! तू यहां पर भी आ गया ध्रुव? अब तू कैसे आ गया? मैं जहां जाता हूं, वहां पर पूरी बारात क्यों इकट्ठा हो जाती है?
मैं तेरे पीछे नहीं, निंजाजा के पीछे-पीछे आया हूं वामन, इसकी तलवार की महक के ज़रिए, मेरे दोस्त कुत्तों ने उसे ढूंढ निकाला है!
और मैं जानता था कि जहां निंजाजा होगा वहां पर तू भी मुझे जरूर मिल जाएगा.
अब इसके रहते मैं चंडिका को न तो लेकर भाग सकता हूं, और न ही उसकी गर्दन से चिप निकाल सकता हूं; और ये निंजाजा भी तो मेरा पीछा नहीं छोड़ेगा! क्या करूं?

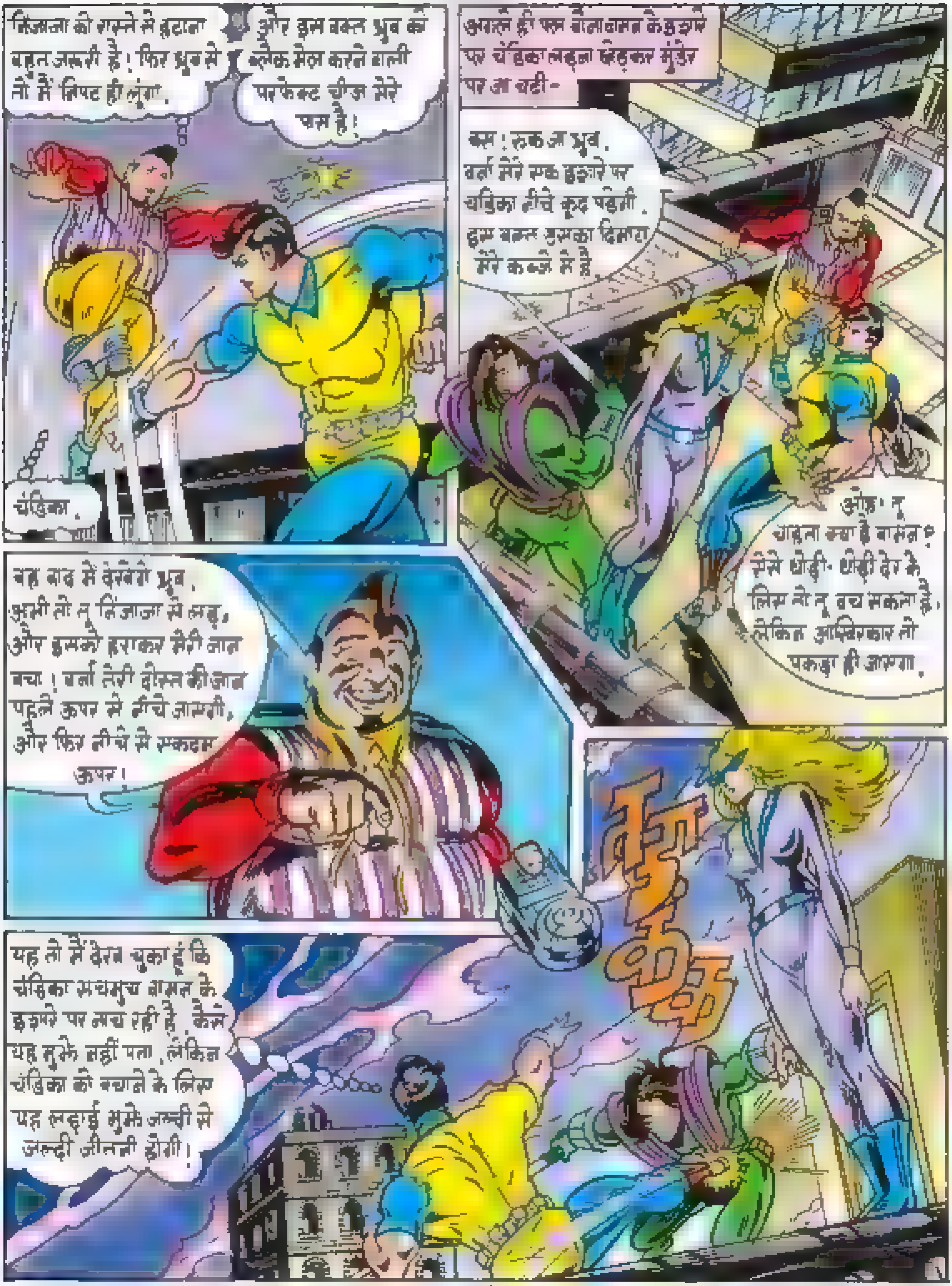

खिंजाजा को रास्ते से हटाना बहुत जरूरी है! फिर ध्रुव से तो मैं निपट ही लूंगा.
और इस वक्त ध्रुव को ब्लैक मेल करने वाली परफेक्ट चीज मेरे पास है!
चंडिका.
अचानक ही एक बौना वामन के इशारे पर चंडिका लहरा छिड़कर मुंडेर पर आ चढ़ी -
बस! रुक जा ध्रुव. वर्ना मेरे एक इशारे पर चंडिका नीचे कूद पड़ेगी. इस वक्त इसका दिमाग मेरे कब्जे में है.
ओह! तू चाहता क्या है वामन? ऐसे थोड़ी-थोड़ी देर के लिए तो तू बच सकता है, लेकिन आखिरकार तो पकड़ा ही जाएगा.
यह बाद में देखेंगे ध्रुव. अभी तो तू खिंजाजा से लड़, और इसको हराकर मेरी जान बचा! वर्ना तेरी दोस्त की जान पहले ऊपर से नीचे जाएगी, और फिर नीचे से एकदम ऊपर!
यह तो मैं देख चुका हूं कि चंडिका सचमुच वामन के इशारे पर नाच रही है. कैसे यह मुझे नहीं पता, लेकिन चंडिका को बचाने के लिए यह लड़ाई मुझे जल्दी से जल्दी जीतनी होगी।

लेकिन लड़ाई जीतनी ही मुश्किल थी; 'जल्दी जीतना' तो असम्भव जैसा लग रहा था-
पिछली बार तू सिर्फ इसलिए मेरे सामने टिक पाया था लड़के, क्योंकि मैंने तुझे कमज़ोर समझा था; इस बार मैं यह गलती नहीं करूंगा;
ओफ! इसकी फुर्ती और इसकी तेज़ धार तलवार से देर तक बच पाना मुश्किल है; नर्व गैस का प्रयोग करके देखता हूं.
तू मुझे गैस से बेहोश करना चाहता है? बहुत बचकानी चाल है! क्योंकि मैं अपनी तलवार पंखे की तरह हवा में घुमाकर तेरी गैस को वायुमंडल में बिखेर कर बेअसर कर सकता हूं!
अब मैं बौना वामन के पीछे जाने से पहले तुझे खत्म करूंगा; क्योंकि तू हर बार मेरे अभियान को विफल करने की कोशिश कर रहा है.
और निंजा- नीति यही कहती है कि पहले रास्ते के कांटे को साफ करो, और फिर आगे बढ़ो.
वाह, क्या 'नीति' है! यानी अब निंजाजा न तो खुद मेरे पीछे आएगा, और न ही ध्रुव को आने देगा. मुझे भागने का इससे ज़्यादा सुनहरा मौका भी मिल ही नहीं सकता;
बौना वामन ने एक पल की भी देर नहीं की-
क्योंकि एक पल बाद ही बौना वामन बेहोश चंडिका की गर्दन से चिप निकालकर भाग रहा था-
लड़ाई रोको निंजाजा; बौना वामन भाग रहा है!
भाग रहा है तो भागे! वैसे भी तू जब तक जिन्दा है, मैं उसे मार नहीं सकता!
इसीलिए पहले तू मरेगा, और फिर बौना वामन!

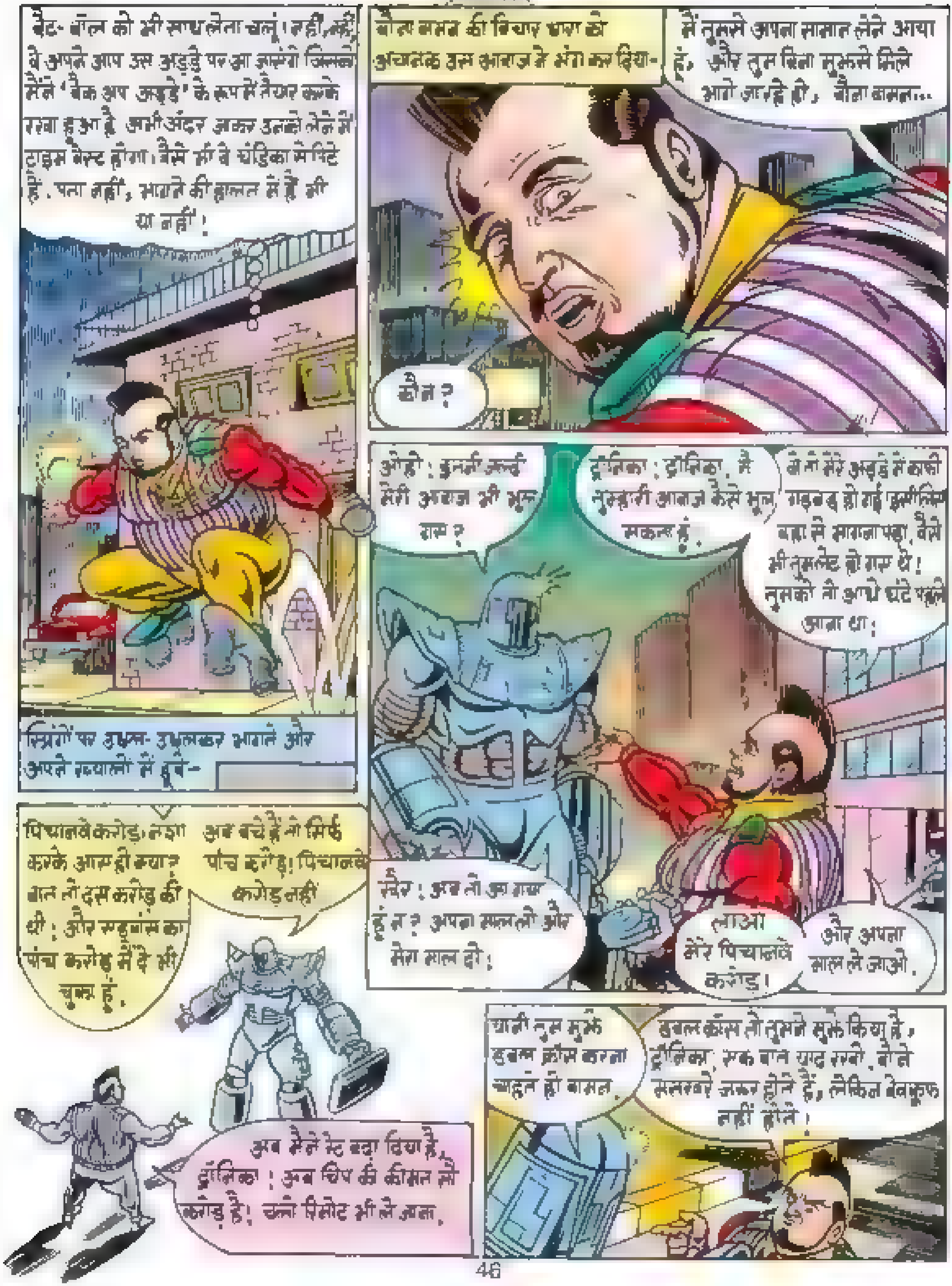
बैट- बॉल को भी साथ लेता चलूं! नहीं, नहीं, वे अपने आप उस अड्डे पर आ जायेंगे जिसको मैंने 'बैक अप अड्डे' के रूप में तैयार करके रखा हुआ है। अभी अंदर जाकर उनको लेने में टाइम वेस्ट होगा। वैसे भी वे चंडिका से पिटे हैं, पता नहीं, भागने की हालत में हैं भी या नहीं!
स्प्रिंगों पर उछल- उछलकर भागते और अपने ख्यालों में डूबे-
कौन समय की विचार धारा को अचानक उस आवाज ने भंग कर दिया-
मैं तुमसे अपना सामान लेने आया हूं, और तुम बिना मुझसे मिले भागे जा रहे हो, कौन सामान...
कौन?
ओहो! इतनी जल्दी मेरी आवाज भी भूल गए?
ट्रॉलिका! ट्रॉलिका, मैं तुम्हारी आवाज कैसे भूल सकता हूं।
वैसे तो मेरे अड्डे में काफी गड़बड़ हो गई इसलिए वहां से भागना पड़ा, वैसे भी तुम लेट हो गए थे! तुमको तो आधे घंटे पहले आना था!
खैर! अब तो आ गया हूं न? अपना माल लो और मेरा माल दो!
लाओ मेरे पिचानवे करोड़!
और अपना माल ले जाओ।
पिचानवे करोड़! तुम करके आप ही क्या? बात तो दस करोड़ की थी! और एडवांस का पांच करोड़ मैं दे भी चुका हूं।
अब बचे हैं तो सिर्फ पांच करोड़! पिचानवे करोड़ नहीं
यानी तुम मुझे डबल क्रॉस करना चाहते हो कामल।
डबल क्रॉस तो तुमने मुझे किया है, ट्रॉलिका, एक बात याद रखो, वो ते मसखरे जरूर होते हैं, लेकिन बेवकूफ नहीं होते!
अब मैंने रेट बढ़ा दिया है, ट्रॉलिका! अब चिप की कीमत सौ करोड़ है! चलो रिमोट भी ले आना,

मेरे इस गुप्त अड्डे पर दस मिनट के अन्दर-अन्दर तीन लोग आए! एक तो थी टॉक्सिका जो मुझ पर चिपकाए गए 'लोकेटर' की मदद से मेरे अड्डे तक पहुंची थी, दूसरा... नहीं, नहीं... तीसरा भूत था जो निंजाजा की तलवार में बसी उसकी गंध का, अपने कुत्तों द्वारा पीछा करता हुआ मुझ तक पहुंच गया, और दूसरा था निंजाजा!...
यह क्या बकवास है! तुम मुझे ब्लैक मेल करने के लिए बहाने बना रहे हो!
बहाना ही समझ लो, तुमने सोचा था कि निंजाजा मुझे मार डालेगा और उससे तुम चिप हासिल कर लोगे; शायद तुमको रबुबांस के पांच करोड़ भी मिल जाते; लेकिन बौना वामन को मारना बहुत मुश्किल है टॉक्सिका!
...जिसे मेरे अड्डे का पता नहीं था;
मेरे और वेट बॉल के अलावा सिर्फ तुमको इस अड्डे का पता था! और निंजाजा को उसका पता सिर्फ... तुम बता सकते थे!
क्योंकि बौना वामन एक न एक ट्रिक हमेशा बचाकर रखता है!
देखते हैं कि अब तू कौन सी ट्रिक लगाकर बचता है बौने
न न न; अगर मैं जल गया तो मेरे पाउच में रखी चिप भी जल जाएगी!
ऐसा कर, तू पहले मेरे सूमो पहलवान से लड़ ले। अगर जीत गया तो मुझसे लड़ लेना!
ये रबर का गुड्डा! ये मेरे स्टील के बदन से लड़ेगा! ये तो मेरी एक फूंक से गुब्बारे की तरह फट जाएगा!
रबर को इतना कमजोर मत समझो टॉक्सिका, रबर में कई खासियतें होती हैं।
जो स्टील में नहीं होतीं!
जैसे रबर कभी-कभी एसिड प्रूफ होती है। मगर स्टील नहीं होता;
सूमो गुड्डे के मुंह से निकले एसिड फुहार के बादलों ने टॉक्सिका के शरीर को घेर लिया—

और तेज एसिड की बूंदें स्टील के कवच पर पड़ते ही उसको गलाकर उसमें छेद करने लगीं-
ध्रुव लड़ाई जल्दी खत्म करने की ताक में था-
तू बहुत फुर्तीला है लड़के! लेकिन देखते हैं कि जब तू मेरी तलवार को देख ही नहीं पायगा तो उससे बचेगा कैसे?
ओह! ये किसी तरह के स्मोक बमों का इस्तेमाल कर रहा है, जो तेजी से चारों तरफ फैलकर हम दोनों को ढक रहे हैं!
छेदों के जरिए एसिड की बूंदें उस हाड़-मांस के शरीर तक जा पहुंचीं जो स्टील के कवच के अन्दर था, और उस शरीर का गला चीरने लगा-
धुंए की मोटी चादर के अन्दर क्या हो रहा था, यह नजर आना तो मुश्किल था-
लेकिन आवाजें यह जरूर बता रही थीं कि लड़ाई काफी तेज हो रही है-
और उस धुंए की चादर से बाहर आने वाला पहला शरीर जिंजाजा का था-
बेहोश हालत में-
तुम्हारा जरूरत से ज्यादा आत्मविश्वास तुमको ले डूबा जिंजाजा, तुम समझे कि धुंए की चादर में सिर्फ तुम ही मुझको महसूस कर सकते हो, लेकिन तुम यह नहीं जानते थे कि ध्रुव आंखों पर पट्टी बांधकर भी दुश्मन की हरकतों का अनुमान लगा सकता है!

ध्रुव ने बौना वामन के पीछे जाने में एक पल भी व्यर्थ नहीं किया—
मैं रुककर चंडिका को देखना चाहता था, लेकिन अब उसका वक्त नहीं है। बौना वामन अभी ज्यादा दूर नहीं गया होगा! मैं अभी भी उसको पकड़ सकता हूं!
लेकिन ध्रुव के घटनास्थल पर पहुंचने तक बौना वामन भाग चुका था, और वहां पर सिर्फ कराहता हुआ ट्रॉलिका था—
ओह, ट्रॉलिका! और ये खिलौना... यानी तुम्हारी यह हालत बौना वामन ने की है! शायद माल के बंटवारे को लेकर झगड़ा हो गया होगा!
अब तुम मुझे बताओगी कि यह सब क्या हो रहा है? हवाकी कैसे मरा? बौना वामन उसकी मौत का कारण कैसे बना? और ये हिंजाज़ा कौन है जो बौना वामन के पीछे पड़ा हुआ है,
तू मुझसे कुछ नहीं जान पाएगा सुपर कमांडो ध्रुव! अगर तू मेरी हालत देखकर... आह... यह समझ रहा है कि तू मुझे पकड़ कर मुझसे कुछ उगलवा सकता है तो ये तेरी गलतफहमी है!
तू मुझे नहीं पकड़ पाएगा! बौना वामन अब सिर्फ ट्रॉलिका का शिकार है! सिर्फ ट्रॉलिका का!
आह! फ्लैशबम! मैंने ट्रॉलिका से इस हरकत की उम्मीद नहीं की थी!
कुछ पलों तक ध्रुव की आंखों के आगे सिर्फ रोशनी की चिंगारियां चमकती रहीं! और जब उसकी आंखें कुछ देखने लायक हो पाईं तो—
ओफ! ट्रॉलिका भाग चुका है! मुझे सतर्क रहना चाहिए था! लेकिन अब क्या हो सकता है? चलूं वापस चल कर चंडिका और हिंजाज़ा की हालत ही देख लूं!

लेकिन ध्रुव की किस्मत में चंडिका से मिलना भी नहीं लिखा था—
क्योंकि ध्रुव के बासन के अड्डे तक पहुंचने के दौरान बैट-वैन भी गायब हो चुके थे, और चंडिका भी—
ओह, लगता है चंडिका को मेरी उम्मीद से पहले ही होश आ गया!
खैर! अब हम निंजाज़ा को तो पुलिस स्टेशन तक ले ही जाया जाए!
लेकिन—
मिस्टर हमकी के डॉक्टर ने निंजाज़ा को जमानत पर छुड़वा लिया है ध्रुव! वैसे भी निंजाज़ा एक विदेशी नागरिक है, और उस पर पुलिस हेडक्वार्टर में अनधिकृत प्रवेश के अलावा और कोई चार्ज नहीं है!
यानी हम जहां थे, घूम फिर कर वहीं आ गए हैं। बैट वासन और चंडिका भाग चुके हैं। हमकी मर चुका है, और उसका पार्टनर लापता है। निंजाज़ा ने कुछ बताया नहीं, हमको तो यह तक पता नहीं है कि आखिर ये हो क्या रहा है?
सिवाय सिर्फ एक बात के जो मुझे बार-बार परेशान कर रही है। और उस बात का जवाब हमकी के डॉक्टर से ही मिल सकता है।
इस बात को जानने के लिए हमको थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। क्योंकि फिलहाल बैट वासन अपनी एक ट्रिक चल रहा है—
अब मेरे पास दस करोड़ रुपए हैं जो मैंने मेहनत से कमाए हैं; अब हमारे अतिथि डॉक्टर पिल्लै इन पैसों से हमारे लिए एक चिप इंप्लिमेंटिंग मशीन और एक कंट्रोल पैनल का निर्माण करेंगे, और वह भी सिर्फ दो दिनों में!
मैं ऐसा कभी नहीं करूंगा! तुम मेरी बोटी-बोटी कर दो, तब भी नहीं करूंगा!
हम तुम्हारी बोटी-बोटी क्यों करेंगे डॉक्टर साहब? हम कोई कसाई हैं क्या?...

...हम तो गोली मारेंगे! और वह भी तुम्हें नहीं! तुम्हारे बीबी बच्चों को मारेंगे.
नहीं...
मेरे परिवार वालों से...
...तुम्हारा क्या बिगड़ा है? हमारे झगड़े में इन मासूमों को क्यों घसीट रहे हो? बोलो, बोलो, मारो फिल्मी डॉयलाग!
म... मैं तुम्हारा काम करने को तैयार हूं!
देखा? बौना वामन एक न एक ट्रिक हमेशा बचाकर रखता है!
अगले दो दिनों तक राजनगर में तूफान से पहले की सी शांति छाई रही–
और फिर- हमला शुरू हो गया–
अब हम क्या करें? ऐसे ही नोट आ रहे हैं!
भाई ये नोट जरा बदलकर तो दो! टेप लगा नोट दे रहे हो!
बैंक में घुसने उस नशीली मक्खी दल पर किसी ने भी ध्यान नहीं दिया–
जिनके पैरों से दबी थीं एक-एक कंप्यूटर चिप–
जो बैंक कर्मियों की गर्दनों में धंसती आ रही थी–
और फिर सब आंखें फाड़े देखते रह गए–
अरे, भई, सारा पैसा लेकर कहां निकले जा रहे हो? मुझे तो पेमेंट देते जाओ! ये तो कुछ सुन ही नहीं रहे हैं। कुछ गड़बड़ है!
पुलिस को फोन करो!

और इसी वक्त राजनगर के ही एक दूसरे हिस्से में-
तू अपनी गर्दन को इतने झटके क्यों दे रही है, ऋचा?
मैंने दस-बारह झटके और देखी तो मेरी गर्दन जिराफ जैसी हो जाएगी फिर तू उससे, उसके लेवल पर झुककर बात कर सकेगी!
जानवरों से मैं बात नहीं करती। बस कभी, कभी तुमसे कर लेती हूं। और फिर ये मेरी गर्दन है। मैं इसे झटके दूं या कुछ करूं, तुमसे क्या?
लो, फोन उठाओ। तुम्हारा ही होगा।
बौना वामन ने जो कुछ भी मेरी गर्दन पर चिपकाया था, उससे गर्दन की नसें अकड़ गई हैं। अब झटके नहीं दूं तो क्या करूं?
हां। बोलो करीम!
व्हाट?
यस, कैप्टेन। पूरे शहर में अजीब-अजीब वारदातें हो रही हैं। ज्वेलर्स अपनी ही दुकान का सारा माल उठाकर न जाने कहां ले जा रहे हैं। बैंक वाले अपने ही बैंक का पैसा उठा ले जा रहे हैं। पुलिस वाले उनको रोकने के बजाय उन लोगों को पीट रहे हैं, जो बैंक वालों को ये करने से रोक रहे हैं। एक बैंक तुम्हारे घर के पास में ही है, जो लुट रहा है!
ये बौना वामन की चाल है, करीम। मैं इसी चाल का इंतजार कर रहा था। ये सारा पैसा वामन के पास जा रहा है!
मैं पैसे ले जा रहे लोगों का पीछा करके ये पता लगा लूंगा कि वे ये पैसा कहां ले जा रहे हैं। पैसा जहां पर जा रहा होगा, वहीं पर बौना वामन भी मिलेगा।
भइया बौना वामन के पीछे जा रहा है। ये वामन के पीछे जाएगा, और मैं इनके पीछे!
बौना वामन.
बौना वामन को रोकना होगा! उसके पास लोगों के दिमाग कब्जे में करने की तकनीक आ गई है। और इस तकनीक से वह किसी के भी दिमाग को अपने कब्जे में कर सकता है। प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति या सेना के जनरलों के दिमाग को भी। मुझे उसे रोकना होगा! किसी भी कीमत पर रोकना होगा!

पौना वामन को भी ध्रुव की इसी हरकत का इंतजार था-
आ गया, आ गया, मेरे मक्खी कैमरे इसी को तो ढूंढ रहे थे, अब सबसे पहला काम इसको अपना गुलाम बनाना है, क्योंकि अगर मैंने ऐसा नहीं किया तो ये पूरे राजनगर को गुलाम बनाने वाली मेरी योजना को टांय टांय फिस्स कर देगा,
ध्रुव बैंक तक नहीं पहुंच पाया-
क्योंकि बीच में ही उसकी मोटरसाइकल एक झटके से पलट गई-
ओफ़ऽऽऽ! एकदम से मोड़ मुड़ते ही सामने यह क्या आ गया?
यह तो रबर का एक विशालकाय गुड्डा है,
यह वामन का ही नया हथियार लगता है। लेकिन इसकी खासियत क्या हो सकती है?
अगले ही पल ध्रुव को अपने सवाल का जवाब मिल गया-
यह अपने मुंह से कुछ छोड़ रहा है। कोई चिपचिपा पदार्थ.

ओह, यह तो कोई क्विक-ड्राइंग एडहेसिव है फेविक्विक की तरह की चीज़,
अगर मैं अपने पैर को तुरंत न खींच लेता तो जैसे मेरे पैर के साथ जूता चिपक गया है, वैसे ही मेरा बूट और पैर जमीन में चिपक गए होते!
इस रबर पर मेरे स्टार ब्लेड भी काम नहीं कर रहे हैं. काफी मोटी रबर लगानी है! इस मोटू को पार करके भी नहीं जा सकता!
इसके बटन; हां, यहीं से शायद वाल्व के इस गुड्डे में एडहेसिव भरा है। अगर मैं इन बटनों को खींच लूं, तो इसका सारा एडहेसिव बहकर बाहर निकल जाएगा, और यह गुड्डा पिचक जाएगा!
अगले ही पल ध्रुव का शरीर हवा में उछलकर गुड्डे के बटन खींच रहा था। और यहीं पर वह गलती कर गया-
और ध्रुव के हाथ गुड्डे के शरीर से चिपककर रह गए-
उस मक्खी को देखते हुए भी भगा तक नहीं सकता था, जो उसकी गर्दन में चिप चिपकाने जा रही थी-
क्योंकि लगभग तुरन्त ही गुड्डे के शरीर में बने महीन छेदों से एडहेसिव बाहर निकलने लगा-
अब ध्रुव अपने बचाव में कुछ भी नहीं कर सकता था-
वह चिप, गर्दन में धंसने ही-
ध्रुव का दिमाग अंधेरे में डूबता चला गया-

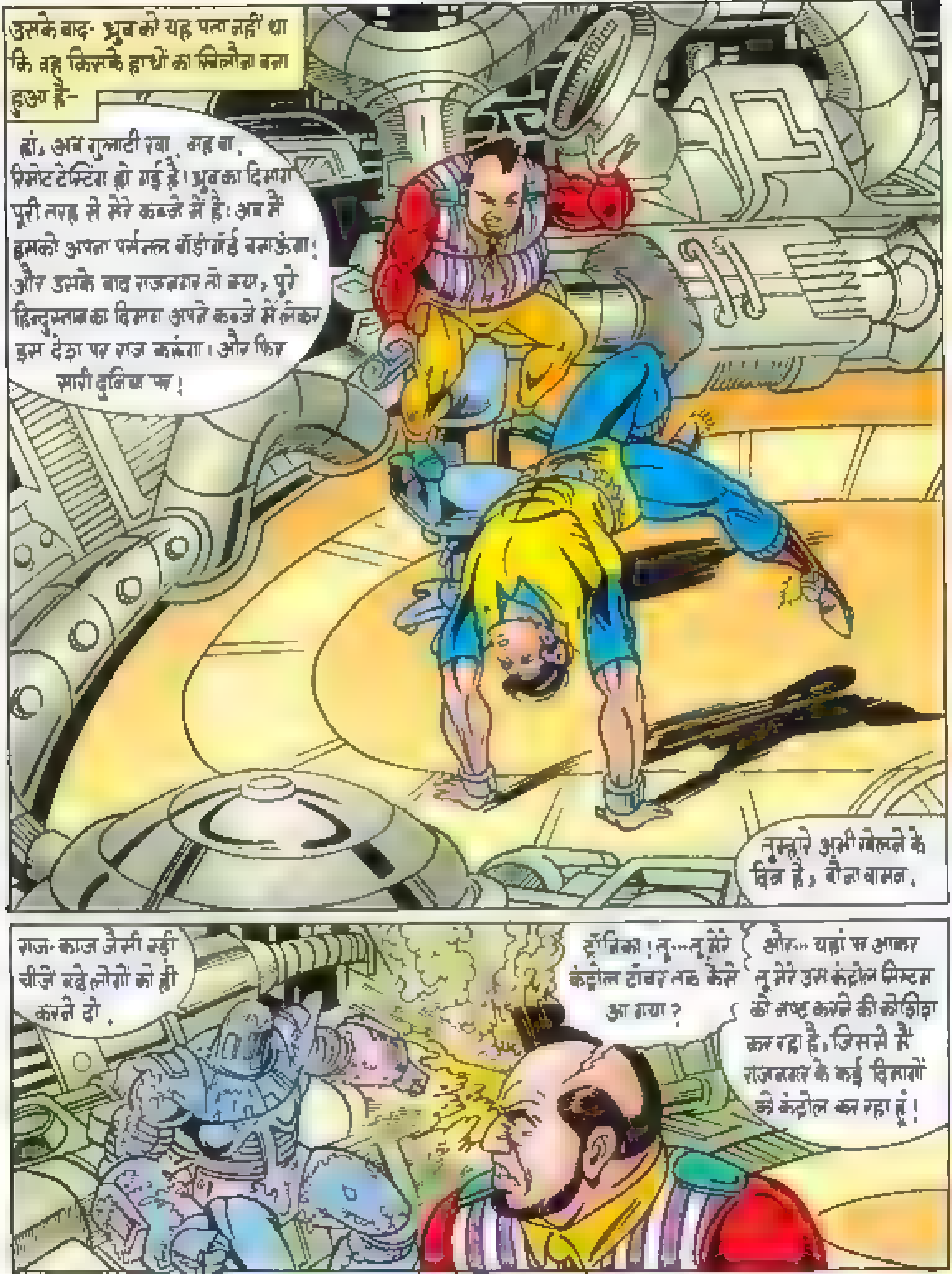
उसके बाद- ध्रुव को यह पता नहीं था कि वह किसके हाथों का खिलौना बना हुआ है-
हां, अब गुलाटी खा, महान, रिमोट टेस्टिंग हो गई है। ध्रुव का दिमाग पूरी तरह से मेरे कब्जे में है। अब मैं इसको अपना पर्मानेंट बॉडीगार्ड बनाऊंगा। और उसके बाद राजनगर तो क्या, पूरे हिन्दुस्तान का दिमाग अपने कब्जे में लेकर इस देश पर राज करूंगा। और फिर सारी दुनिया पर!
तुम्हारे अभी खेलने के दिन हैं, बौना वामन,
राज-काज जैसी बड़ी चीजें बड़े लोगों को ही करने दो.
ड्रोनिका! तू...तू मेरे कंट्रोल टॉवर तक कैसे आ गया?
और... यहां पर आकर तू मेरे उस कंट्रोल सिस्टम को नष्ट करने की कोशिश कर रहा है, जिससे मैं राजनगर के कई दिमागों को कंट्रोल कर रहा हूं!

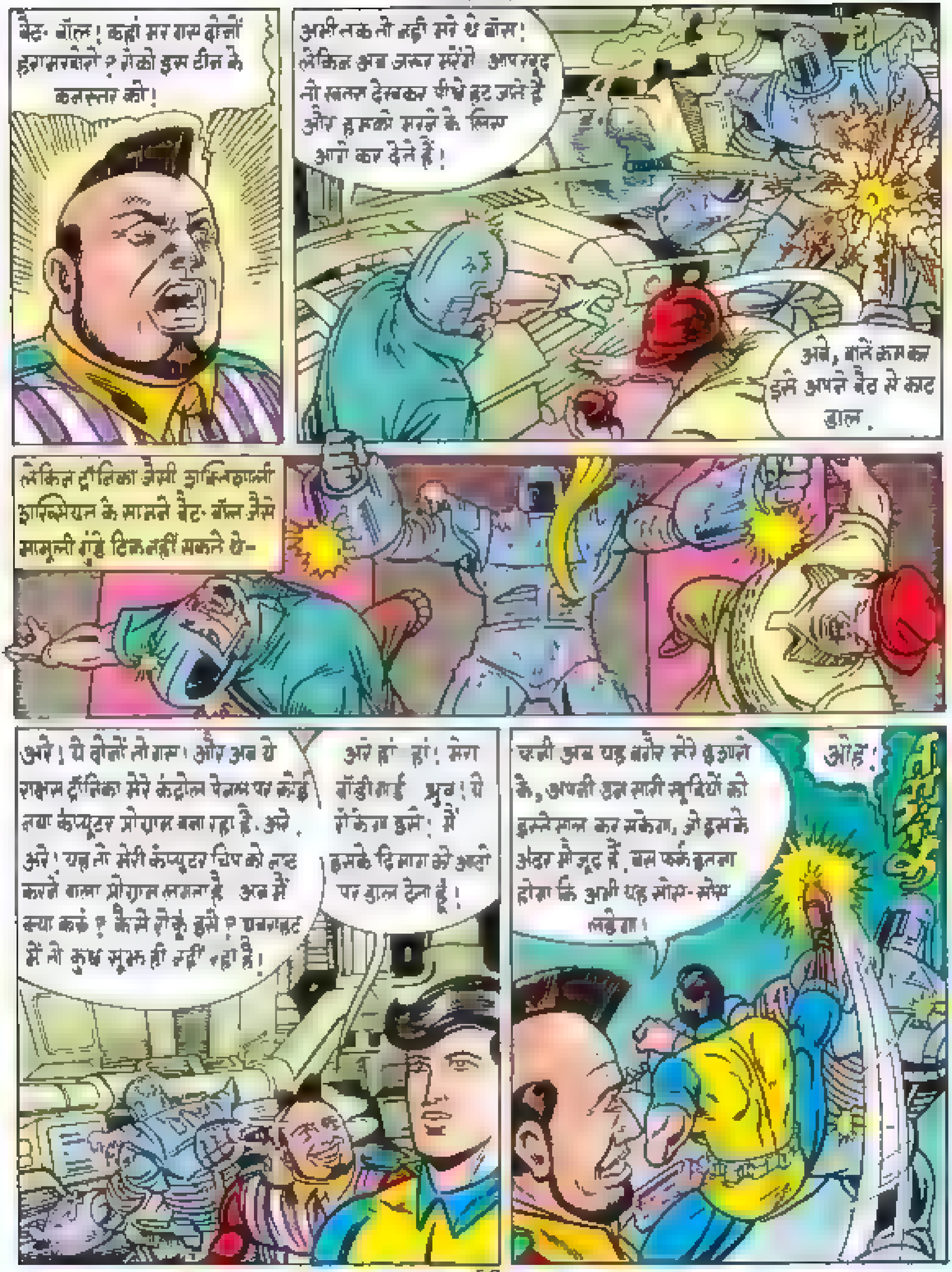
बैट-बॉल! कहां मर गए दोनों हरामखोरो? रोको इस टीन के कनस्तर को!
अभी तक तो नहीं मरे थे बॉस! लेकिन अब जरूर मरेंगे आप खुद तो खतरा देखकर पीछे हट जाते हैं और हमको मरने के लिए आगे कर देते हैं!
अरे, बात काम कर इसे अपने बैट से काट डाल.
लेकिन ट्रीलिका जैसी शक्तिशाली शख्सियत के सामने बैट-बॉल जैसे मामूली गुंडे टिक नहीं सकते थे-
अरे! ये दोनों तो गए। और अब ये शख्स ट्रीलिका मेरे कंट्रोल पैनल पर कोई नया कंप्यूटर प्रोग्राम बना रहा है. अरे, अरे! यह तो मेरी कंप्यूटर चिप को नष्ट करने वाला प्रोग्राम लगता है अब मैं क्या करूं? कैसे रोकूं इसे? घबराहट में तो कुछ सूझ ही नहीं रहा है!
अरे हां हां! मेरा बॉडीगार्ड ध्रुव! ये रोकेगा इसे! मैं इसके दिमाग को अभी पर डाल देता हूं!
चलो अब यह बगैर मेरे कुछ जाने के, अपनी उन सारी खूबियों को इस्तेमाल कर सकेगा, जो इसके अंदर मौजूद हैं. बस फर्क इतना होगा कि अभी यह सोच-समझ लेगा।
ओह!

ओह! अब तू ध्रुव को मेरे खिलाफ लड़वा रहा है! लेकिन तेरी यह चाल सफल नहीं होगी! क्योंकि ध्रुव को तेरे कंट्रोल से बाहर निकालने के लिए मुझे सिर्फ इसकी गर्दन में धंसी चिप को बाहर निकालना पड़ेगा!
तुझे न तो ध्रुव की चिप बाहर निकालने का मौका मिलेगा, ट्रॉनिका, और न ही इस 'चिप' को नष्ट कर सकने वाला कंप्यूटर प्रोग्राम बनाने का! क्योंकि मैंने तेरे लिए एक और ट्रिक बचाकर रखी हुई है!
ये स्पेशल जंग स्प्रे!
जब तक तू ध्रुव से जंग लड़ेगा, तब तक इस सोल्यूशन के खास केमिकल तेरे कवच में जंग लगा देंगे। और तेरा कवच बेकार होते ही तू भी बेकार हो जाएगा!
यह सच कह रहा है। जंग पूरे कवच में तेजी से फैलता जा रहा है। ध्रुव के मामूली वार भी मेरे कवच को तोड़ते जा रहे हैं!
बौना वामन, 'जंग' देखने में इतना मशगूल था कि वह उन दो हाथों की तरफ ध्यान ही नहीं दे रहा था, जो तेजी से कंप्यूटर पर एक खास प्रोग्राम लिखते जा रहे थे—

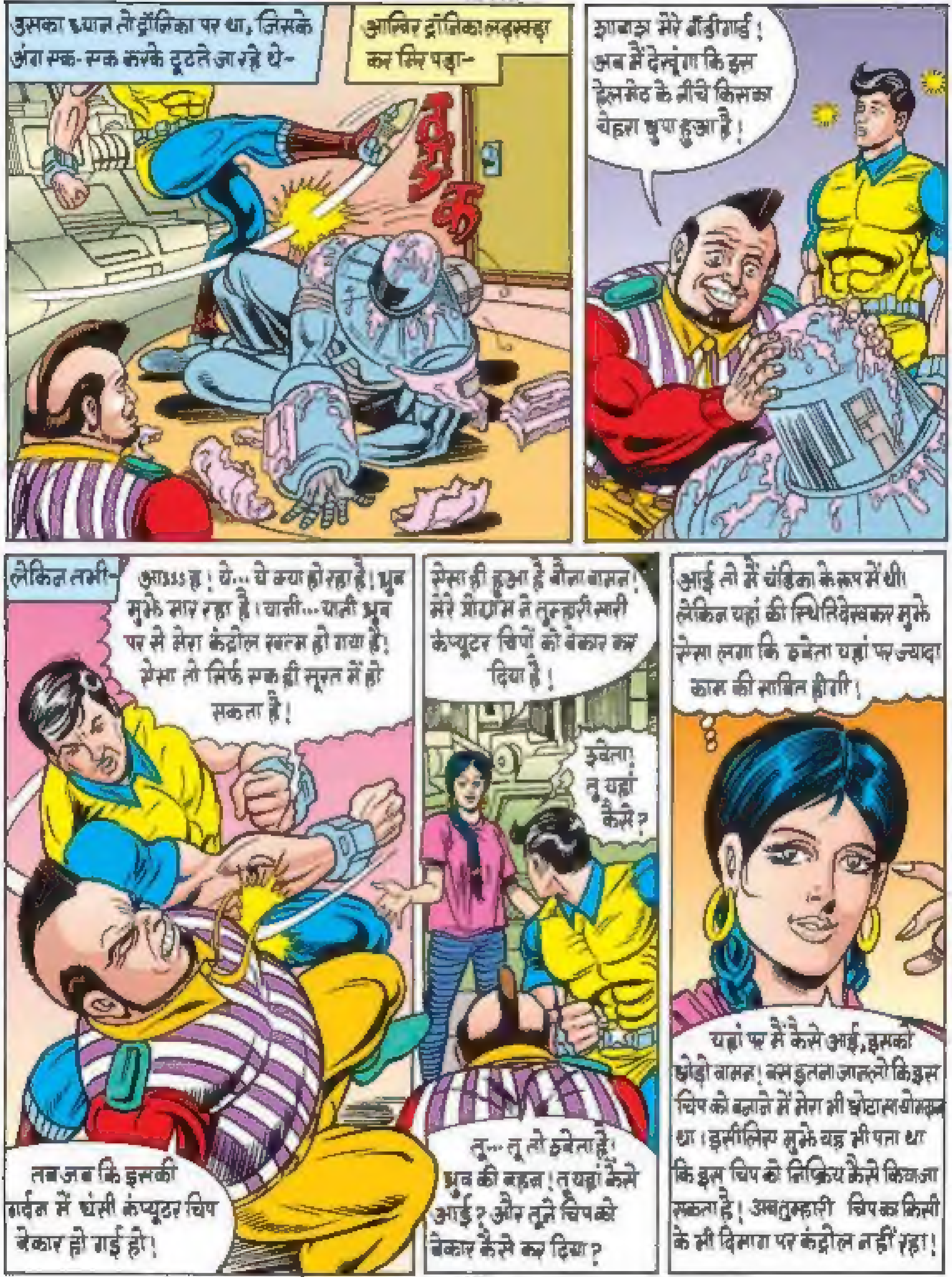
उसका ध्यान तो ट्रॉनिका पर था, जिसके अंग एक-एक करके टूटते जा रहे थे-
आखिर ट्रॉनिका लड़खड़ा कर गिर पड़ा-
ठुक
शाबाश मेरे बॉडीगार्ड! अब मैं देखूंगा कि इस हेलमेट के नीचे किसका चेहरा छुपा हुआ है!
लेकिन तभी-
आआऽऽह! ये... ये क्या हो रहा है! ध्रुव मुझे मार रहा है। यानी... यानी ध्रुव पर से मेरा कंट्रोल खत्म हो गया है! ऐसा तो सिर्फ एक ही सूरत में हो सकता है!
तब जब कि इसकी गर्दन में धंसी कंप्यूटर चिप बेकार हो गई हो!
ऐसा ही हुआ है बौना वामन! मेरे प्रोग्राम ने तुम्हारी सारी कंप्यूटर चिपों को बेकार कर दिया है!
ड्वेता! तू यहां कैसे?
तु... तू तो श्वेता है! ध्रुव की बहन! तू यहां कैसे आई? और तूने चिप को बेकार कैसे कर दिया?
आई तो मैं चंडिका के रूप में थी। लेकिन यहां की स्थिति देखकर मुझे ऐसा लगा कि श्वेता यहां पर ज्यादा काम की साबित होगी!
यहां पर मैं कैसे आई, इसको छोड़ो वामन! बस इतना जान लो कि इस चिप को बनाने में मेरा भी छोटा सा योगदान था। इसीलिए मुझे यह भी पता था कि इस चिप को निष्क्रिय कैसे किया जा सकता है! अब तुम्हारी चिप का किसी के भी दिमाग पर कंट्रोल नहीं रहा!

यानी अब मेरी चिप किसी के भी दिमाग को कंट्रोल नहीं कर रही? यानी... यानी ये सब तुम लोगों की मिलीभगत थी। मेरे गुड्डे से अपने आपको पकड़वाना तुम्हारी योजना का ही हिस्सा था?
हां, वामन! मैं चाहता तो उस चिप से बच सकता था लेकिन ऐसी सूरत में तुम समझ जाते कि मेरे दिमाग पर तुम्हारा कंट्रोल नहीं हुआ है. और फिर तुम मुझे यहां तक कभी न लाते। यहां पहुंचने के लिए यह रिस्क उठाना जरूरी था!
और ट्रॉनिका तुम्हारा पीछा करता हुआ यहां तक आ गया। लेकिन... ये ट्रॉनिका है कौन?
ये मिस्टर तकाशी हैं! हराकी के पार्टनर!
तकाशी! यानी ये ही ट्रॉनिका था! इसी ने यह चिप अकेले हथियाने के लिए यह सारा ड्रामा रचा था!
यह ड्रामा तो जरूर था! लेकिन मिस्टर तकाशी का नहीं, हराकी का!
ओह! लेकिन उसको क्या फायदा हुआ? वह तो मर गया!
नहीं वामन! हराकी जिन्दा है और अपने डॉक्टर के साथ जेल में बंद है! वही ट्रॉनिका था!
हराकी जिन्दा है! ये... ये तुमको कैसे पता चला?
ट्रॉनिका से! जब मैं पहले ट्रॉनिका से लड़ा था तो उसकी आवाज मशीनी थी! लेकिन दूसरी मुलाकात में आवाज स्वाभाविक लग रही थी। जाहिर था कि पहला ट्रॉनिका रोबॉट था, मगर दूसरा नहीं!
सवाल यह था कि ट्रॉनिका की पोशाक में सिर्फ एक बार रोबॉट फिट करके भेजने में किसका फायदा था! फायदा भी सिर्फ एक ही हो सकता था! असली ट्रॉनिका द्वारा दुनिया को यह जताना कि वह ट्रॉनिका नहीं है। क्योंकि उस वक्त ट्रॉनिका कहीं और मौजूद था और वह शख्स कहीं और! मेरा शक हराकी या तकाशी पर जा रहा था! तकाशी उपलब्ध नहीं थे क्योंकि हराकी ने इनको कैद करके रखा हुआ था। लेकिन हराकी के डॉक्टर ने जरा सा जोर पड़ते ही सब कुछ उगल दिया!
हराकी मरा नहीं था! उसने मरने का ड्रामा किया था! ताकि दुनिया की नजरों में वह मर जाए और फिर ट्रॉनिका के रूप में चिप लेकर सारी दुनिया पर राज करे! उसके लिए तुमको स्टारका जेल से छुड़ाना आसान था। क्योंकि जेल का सिक्योरिटी सिस्टम उसी ने डिजाइन किया हुआ था। फिर जब तुम चिप चुरा रहे थे तब उसने जिंजाजा का ध्यान बंटाकर तुमको भाग जाने का मौका दिया। चिप चोरी हो गई थी!
फिर उसने जिंजाजा को तुम्हारा पता बता कर तुम्हारे अड्डे पर भेजा ताकि तुम मारे जाओ, और चिप चोरी की कहानी ही खत्म हो जाए! उसने तकाशी को भी कैद कर लिया था! ताकि शक तकाशी पर डाला जा सके! पर तुमने उसका प्लान फेल कर दिया!

चिप की कार्य प्रणाली के बारे में सिर्फ तीन लोग जानते थे! तकाशी, हराकी, और डॉक्टर पिल्ले! हम अब जान गए हैं कि डॉक्टर पिल्ले को तुमने उठवा लिया था। क्योंकि तुमको भी टॉनिका पर शक हो गया था! अगर तुम ऐसा नहीं करते तो हराकी पिल्ले को भी कैद कर लेता!
लेकिन तुम सब और मैं भी श्वेता के बारे में भूल ही गए थे!
तकाशी को मैं टॉनिका के रूप में इसीलिए अपने-पीछे-पीछे लाया था ताकि वह यहां पहुंचकर चिप को निष्क्रिय कर सके!
वैसे तुमने मुझ पर भरोसा करके बहुत बड़ा खतरा उठाया था! मैं असफल तो हो ही गया था, और मेरे असफल होने का मतलब था कि तुम हमेशा के लिए वामन के गुलाम बन जाते!
नहीं, तकाशी! मेरे स्टार ट्रांसमीटर के जरिए मेरा कैडेट करीम हर पल मेरी स्थिति पर नजर रखे हुए है!
वामन मुझे ज्यादा देर तक गुलाम बनाकर नहीं रख सकता था!
लेकिन तुम लोग भी वामन को गुलाम बनाकर नहीं रख पाओगे! क्योंकि वामन एक न एक ट्रिक हमेशा बचाकर...
...ओ ऽऽऽ
कोई ट्रिक नहीं वामन!
वर्ना कई ट्रिगर दब जाएंगे!
क्या सिर्फ भाइयों का ही फर्ज होता है बहनों की रक्षा करने का?
बहनें अपने भाइयों की रक्षा क्यों नहीं कर सकतीं? बगैर थैंक्यू के!
कर सकती हैं भइया! कर सकती हैं!
अब कम से कम थैंक्यू तो बोल दो भइया! तुमको मैंने बचाया है!
श्वेता ठीक कह रही है!
तुझे किस बात का 'थैंक्यू' कहूं?

समाप्त